देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच सोमवार को राजस्थान में आठ लोगों की मौत हो गई। बांधों और नदियों में पानी के उफान के कारण सड़कें अवरुद्ध हो गईं बारिश ने राज्य के करौली और हिंडौन में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 101 दिनांक:13-08-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

देशभर में 78वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार दिल्ली के लालकिले से देश को संबोधित करेंगे।

राजस्थान में बारिश ने मचाई तबाही- देखते ही देखते 25 लोग बह गए

जयपुर(ईएमएस)। राजस्थान में हुई मूसलाधार बारिश जमकर तबाही मची है। कई लोगों के घर गिर गए तो कई जगह वाहन भी बह गए। इससे भी ज्यादा दुखद ये हुआ कि 25 लोग देखते ही देखते बह गए। न उन्हे कोई पकड़ पाया और न ही सुरक्षित निकालने में कामयाब हो पाया।रविवार को जयपुर, भरतपुर, करौली और हिंडौन समेत कई इलाकों में हुई भारी बारिश के कारण 25 से ज्यादा लोग नदी, नालों और बांधों में बह गए। इससे उनकी मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सीकर, सवाई माधोपुर और टोंक में अतिभारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही 11 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। जयपुर समेत छह जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

दर्जनों लोग जहां पानी में बह गए वहीं हजारों लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर जाने से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया। जयपुर, करौली, भरतपुर और टोंक समेत छह जिलों में आज स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। इन जिलों में जगह-जगह जलभराव होने के कारण रास्ते जाम हैं। बारिश को देखते हुए सूबे की सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कल आलाधिकारियों की अहम बैठक बुलाकर उन्हें हालात पर नजर रखने और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार आज जयपुर समेत सात जिलों में अति भारी बारिश की प्रबल संभावना है। वहीं अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, धौलपुर, झालवाड़, कोटा, चूरू और नागौर में भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के बीकानेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में भी बारिश के आसार बने हुए हैं। रविवार को हुई बारिश से भरतपुर, हिंडौली, करौली और जयपुर में बाढ़ जैसे हालत बने हुए हैं। जयपुर में रविवार को दिनभर हुई बारिश के बाद रातभर रिमझिम चलती रही। सोमवार को सुबह फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया।

मौसम विभाग के मुताबिक परिसंचरण तंत्र आज भी उत्तर पूर्वी राजस्थान के आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है। इसके अगले तीन-दिनों तक इसी स्थान पर बने रहने की संभावना है। इसके असर से पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर और कोटा संभाग के कई भागों में आगामी 5-6 दिन तक मानसून सक्रिय रहेगा। लिहाजा इन इलाकों में भारी से अति भारी बारिश होने के आसार हैं। अगले चार-पांच दिन के दौरान पश्चिमी राजस्थान में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

25 किलो के पैक पर भी लगेगा 5 फ़ीसदी जीएसटी

भोपाल (ईएमएस)। जीएसटी काउंसिल की 53 वीं बैठक मैं लिए गए निर्णय के अनुसार, अब 25 किलो की पैकिंग में बिकने वाले खाद्यान्न पर पांच फ़ीसदी टैक्स की वसूली की जाएगी। अभी तक 30 किलो के पैकेट पर जीएसटी लागू था। अब इसे घटाकर 25 किलो कर दिया गया है।

कामर्शियल टैक्स विभाग ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। बड़े स्टोर, माल और अन्य दुकानों पर बिना प्रोसस किए हुए, जो खाद्यान्न अभी 25 किलो के पैक पर बेचा जा रहा था। उस पर अब टैक्स देना होगा। कमर्शियल टैक्स विभाग द्वारा पिछले दिनों में कई नोटिफिकेशन जारी किए हैं। उसके अनुसार अब बीज,धान,दलहन, मक्का, आदि के 25 किलो के पैक पर भी पांच फ़ीसदी जीएसटी लगेगा। अभी यह लिमिट 30 किलो की थी।

प्रशिक्षु डॉक्टर से बलात्कारः देशभर के प्रमुख अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाएं बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में देशभर के प्रमुख अस्पतालों में मचे हंगामे के बीच, फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) के सदस्यों ने सोमवार को अस्पताल में अनिश्चित काल के लिए वैकल्पिक सेवाएं बंद कर दीं।

फोर्डा ने कोलकाता राज्य सरकार के अस्पताल के डॉक्टरों के समर्थन में देश भर में वैकल्पिक सेवाएं बंद करने के अपने फैसले की घोषणा की, जहां यह दुखद घटना हुई थी। फोर्डा ने पहले कहा था आरजी कर के सहयोगियों के साथ अपनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में, हम सोमवार से अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाओं को देश भर में बंद करने की घोषणा करते हैं। यह निर्णय हल्के में नहीं लिया गया है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि हमारी आवाज सुनी जाए और न्याय और सुरक्षा की मांगों को बिना किसी देरी के पूरा किया जाए।

इसके अलावा,फोर्डा ने अधिकारियों के समक्ष पांच मांगें भी रखीं, जिसमें निवासियों की मांगों को शीघ्र स्वीकार करना, पुलिस द्वारा क्रूरता न करना, मृतक के लिए त्वरित न्याय, स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल और घटना के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा संरक्षण अधिनियम के अनुसमर्थन में तेजी लाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन है। इसके अलावा, रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने भी अधिकारियों से उनके आंदोलन का राजनीतिकरण न करने या इसके उद्देश्य को धूमिल न करने का आह्वान किया। फोर्डा ने कहा, यहां मानवता दांव पर है। बयान में कहा गया, हम सभी से सामूहिक रूप से डॉक्टरों का समर्थन करने और उनकी मदद करने का अनुरोध करते हैं। इस बीच, घटना के मद्देनजर, पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रोफेसर डॉ. बुलबुल मुखोपाध्याय को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के नए चिकित्सा अधीक्षक सह उप-प्राचार्य के रूप में नियुक्त किया है।

शंभू बॉर्डर को आंशिक तौर पर खोलने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही किसान संगठन सक्रिय

नई दिल्ली (ईएमएस)। छह महीने से बंद पंजाब-हरियाणा को जोड़ने वाले शंभू बॉर्डर को आंशिक तौर पर खोलने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही किसान संगठन सक्रिय हो गए हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि किसान पहले से ही चाहते थे कि शंभू बॉर्डर खुले। रास्ता बंद होने से व्यापारियों व ट्रांसपोर्टरों को जहां करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा था, आम जनता को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। डल्लेवाल ने कहा कि अगर किसानों की मानी मांग जल्द लागू न की, तो रास्ते खुलने पर किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ दिल्ली कूच करेंगे। किसान संगठनों का रुख साफ है कि किसान हर हाल में ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ ही दिल्ली कूच करेंगे।

किसान नेता डल्लेवाल ने कहा कि किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ दिल्ली जाने से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के आरोप लगाए जाते हैं लेकिन वह पूछना चाहते हैं कि जब पंजाब से 13 फरवरी को बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रवाना हुए थे, तब रास्ते में कोई दिक्कत नहीं हुई। हरियाणा सरकार और केंद्र को ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से दिक्कत क्यों है? हरियाणा सरकार केंद्र की शह पर किसानों के खिलाफ गलत प्रचार कर रही है। किसानों को अगर दिल्ली में आंदोलन करना है, तो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के बगैर जाना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर डल्लेवाल ने कहा कि किसान संगठन भी मानते हैं कि हाईवे पार्किंग के लिए नहीं हैं, लेकिन किसानों को मजबूरन यहां रुकना पड़ा है। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। अब वापसी मांगें पूरी होने पर ही होगी। वहीं, आज सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसके तहत किसान आंदोलन में मारे गए युवा किसान शुभकरन सिंह की मौत की न्यायिक जांच करवाने के लिए कहा गया था।

जहानाबाद के सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में भगदड़.....07 श्रद्धालुओं की मौत

-मरने मालों में 06 महिलाएं, दर्जनभर से ज्यादा घायल

जहानाबाद(ईएमएस)। श्रावण सोमवार को जहानाबाद से बड़ी और बुरी खबर आई है। श्रावणी मेला के दौरान बड़े हादसे की खबर है। मंदिर में मची भगदड़ में दबकर कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई है जबकि एक दर्जन से अधिक शिवभक्त घायल हो गए हैं। मरने वालों में छह महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

घटना जहानाबाद के बराबर स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर क्षेत्र की है। मौके पर प्रशासन की टीम पहुंच गई है। मेला परिसर में तैनात सुरक्षा बलों और स्वयंसेवकों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। इससे पहले तीसरी सोमवारी पर वैशाली के हाजीपुर में हादसा हुआ था जब बिजली के करंट की चपेट में आकर 9 श्रद्धालुओं की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। गंगाजल उठाने पहले जा रहे शिवभक्तों की टोली का डीजे रथ हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया था।

जानकारी के मुताबिक घटना मंगलवार की देर रात करीब 1:00 बजे की है। बताया जा रहा है कि बराबर पहाड़ी पर चढ़ने के क्रम में सीढ़ी पर भगदड़ मच गई जिससे अफरा तफरी का माहौल बन गया। जान बचाने की कोशिश में श्रद्धालु भागने लगे। इसी दौरान लगभग दो दर्जन लोग जख्मी हो गए। इनमें से 16 घायलों को जहानाबाद सदर अस्पताल और मखदुमपुर रेफरल अस्पताल में भेजा गया। डॉक्टर ने इनमें से छह को मृत घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। घायलों के इलाज में तत्परता के साथ डॉक्टरों की टीम जुटी हुई है। पुलिस और प्रशासन के वरीय अधिकारी मंदिर परिसर में पहुंच गए हैं। वहां राहत बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

इससे पहले सुल्तानपुर में बीते 5 अगस्त को कांवड़ यात्रा के दौरान ऐसा ही बड़ा हादसा हुआ। भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए पहलेजा जा रहे कांवड़ यात्रा में शामिल एक डीजे ट्रॉली 11 हजार वोल्ट करंट वाले तार की चपेट में आ गई। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि भोले बाबा के भजनों पर झूमते हुए डीजे ट्रॉली पर सवार होकर ये कांवड़िए जा रहे थे। इसी दौरान हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया के सुल्तानपुर में उनके साथ चल रही डीजे ट्रॉली का एक हिस्सा हाई टेंशन तार से सट गया। ट्रॉली के उपर जितने लोग सवार थे सब करंट की जद में आ गए। हाई वोल्टेज से टॉली में आग लग गई और चपेट में आए एक दर्जन से अधिक शिवभक्त झुलस गए। इनमें से 9 की मौत हो गई। इसके बाद हाहाकार मच गया।

अयोध्या के बाद अब कन्नौज..... अखिलेश के करीबी पर रेप करने के प्रयास का आरोप

नबाव सिंह यादव सांसद डिंपल का प्रतिनिधि

कन्नौज (ईएमएस)। अयोध्या के बाद अब कन्नौज में भी सपा नेता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सपा नेता नवाब सिंह पर भी रेप के प्रयास का आरोप लगा है। आरोपी सांसद डिंपल यादव का प्रतिनिधि रहा है। यूपी 112 पर कॉल कर बच्ची ने पुलिस को जानकारी दी थी। पुलिस द्वारा यादव की गिरफ्तारी के बाद कन्नौज कोतवाली में हडक़ंप मच गया। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग का मेडिकल परीक्षण कराकर बयान दर्ज किए। पीडिता ने बयान में नवाब सिंह यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

रात्रि 1:30 बजे यूपी 112 पर सूचना प्राप्त हुई थी कि लड़की के टॉप उतार दिए है और गलत काम करने के प्रयास किया। तत्काल थाना पुलिस व पीआरपी पहुंची। मौके पर लड़की, जिसकी उम्र 15 वर्ष है, बच्ची ने टॉप नहीं पहना हुआ था और कमरे में नवाब सिंह यादव, सपा नेता जो कि लोअर नहीं पहना था। इनर वियर में बेड पर लेटा हुआ मिला और लड़की की बुआ भी कमरे में मिली। पीड़िता ने बताया कि यह भाजपा में महिला मोर्चा जिला मंत्री है, पूर्व में सपा पार्टी में थी। सिंह से पहले से जानकारी थी। आज रात लगभग 11:30 बजे मिलने आए थे। और में 5 मिनट के लिए टॉयलेट में गई थी तब वापस आई तब देखा लड़की का टॉप उतरा हुआ था। लड़की ने बताया की बुआ नौकरी दिलाने के नाम पर लाए थे। बुआ जब टॉयलेट गई, तब नवाब सिंह ने टॉप उतरा था तब तक बुआ आ गई फिर यूपी 112 को कॉल किया।

सिंह को हिरासत में लिया गया। यादव की गिरफ्तारी के बाद उनके सैकड़ों समर्थकों ने कोतवाली का घेराव कर उन्हें रिहा करने की मांग की। समर्थकों का कहना है कि यादव के खिलाफ यह मामला साजिशन रचा गया है, ताकि उनके राजनीतिक करियर को खत्म किया जा सके। हालात को देखकर मौके पर सीओ और एएसपी भी पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया। खबरों के मुताबिक यादव ने मामले को अपने राजनीतिक करियर को समाप्त करने की साजिश करार दिया है। उनका कहना है कि यह आरोप उनके खिलाफ रचा गया एक षडयंत्र है। यादव ने आरोप लगाया कि पीडिता की मां, जो पहले समाजवादी पार्टी (सपा) में थी, अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो चुकी है, और इसी वजह से यह पूरा मामला रचा गया है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि इस घटना के पीछे एक सपा नेता का भी हो सकता है। जिसने पूरा गेम प्लान किया। हालांकि, यह आरोप अभी तक साबित नहीं हुए हैं, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इस चर्चा ने जोर पकड़ लिया है।

हर घर तिरंगा.....पूरी तरह तिरंगे से पट गई कश्मीर की वादिया,तिरंगा रैलियों में बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे लोग

श्रीनगर (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले कश्मीर घाटी में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत विभिन्न जिलों में तिरंगा रैलियां निकाली जा रही हैं, इसमें बड़ी संख्या में घाटी के लोग हिस्सा ले रहे हैं। इन तिरंगा रैलियों का आयोजन सरकारी स्तर पर हुआ ही साथ ही भाजपा ने भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया है। कुछ स्वयंसेवी संगठनों की ओर से भी तिरंगा रैलियां आयोजित की गयीं जोकि दर्शाता है कि हर कश्मीरी गर्व से और दिल से तिरंगा फहरा रहा है।

बता दें कि इन तिरंगा रैलियों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि सबके मन में देशभक्ति की भावना प्रज्ज्वलित की जाए। इन तिरंगा रैलियों के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गौरव और सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया गया। सरकारी स्तर पर निकाली गयी तिरंगा रैलियों का पुलिस उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों सहित पुलिस तथा नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने नेतृत्व किया और सैंकड़ों लोगों ने इनमें भाग लिया। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप ऐसी रैलियां और अन्य कार्यक्रम जारी रहने वाले है। इस बीच, श्रीनगर में भाजपा पार्टी मुख्यालय से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बाइक पर तिरंगा रैली निकाली। भाजपा समर्थकोंने कहा कि हम देशभक्ति और देश प्रेम प्रदर्शित करने के लिए तिरंगा रैली का आयोजन करके खुश हैं।

भारी बारिश के चलते बालटाल मार्ग से जाने वाली अमरनाथ यात्रा रद्द

श्रीनगर,(ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा रविवार को भारी बारिश के बाद रखरखाव कार्य के चलते बालटाल मार्ग पर स्थगित कर दी गई। एक अधिकारी ने बताया कि यात्रा के पहलगाम मार्ग पर जरुरी मरम्मत और रखरखाव कार्य पहले से ही किया जा रहा है। कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार भिदुरी ने कहा कि भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा के बालटाल मार्ग पर तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जाने की जरुरत है। यात्रियों की सुरक्षा के हित में सोमवार को भी बालटाल मार्ग से यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि समय आने पर आगे की जान कारी दी जाएगी। बता दें इससे पहले रविवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पंथा चौक बेस कैंप से कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना हुआ था।

भारत ने बांग्लादेश के साथ लगती सीमा पर 70,000 बीएसएफ कर्मी तैनात किए

बांग्लादेशी सुरक्षा बल के साथ लगातार संपर्क में

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ाते हुए बांग्लादेश के साथ लगती अपनी पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा पर 70,000 बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) कर्मियों को तैनात किया है। यह कदम बांग्लादेश से शरणार्थियों के संभावित प्रवेश को रोकने के लिए उठाया गया है। बीएसएफ के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि वे सीमा पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी तरह से सतर्क हैं। सीमा पर तैनात जवान किसी भी अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

बीएसएफ ने सीमा पर तैनात बांग्लादेशी सुरक्षा बल बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) के साथ संचार चैनल खोले हैं, ताकि किसी भी प्रकार के गलतफहमी को दूर कर दोनों देशों के बीच सीमा पर शांति बनी रहे। 10 अगस्त को बीएसएफ ने मेघालय पुलिस के साथ मिलकर सात बांग्लादेशी नागरिकों और उनके दो भारतीय मददगारों को गिरफ्तार किया। इन्हें एक चेकपॉइंट पर पकड़ा गया था। पकड़े गए लोगों को संबंधित पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है, जहां उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। भारत ने बांग्लादेश से संभावित अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर बीएसएफ को पूरी तरह से सतर्क किया है।

भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 11 बांग्लादेशी नागरिकों को बीएसएफ ने गिरफ्तार किया है। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते से भारत में घुसपैठ करने की कोशिश करते हुए कुछ बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार, घुसपैठ करते हुए पकड़े गए लोगों से पूछताछ की जा रही है।इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य पुलिस को सौंपा जाएगा।

बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने कहा है कि, बीएसएफ के पूर्वी कमान प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने बांग्लादेश में मौजूदा हालात और आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दौरान के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक परिचालन सम्मेलन की अध्यक्षता की थी।

बयान में बताया कि, 11 बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से घुसते समय सीमा पर पकड़ा गया है। इनमें से दो लोगों को पश्चिम बंगाल, दो लोगों को त्रिपुरा सीमा और सात लोगों को मेघालय सीमा से पकड़ा गया है।

लोन नहीं चुका पाने पर अभिनेता राज पाल यादव की करोड़ों की संपत्ति सीज

शाहजहांपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश स्थित शाहजहांपुर निवासी बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। फिल्म अता-पता लापता के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया मुंबई की बांद्रा ब्रांच से लिए गए लोन को न चुका पाने के कारण राजपाल यादव की शाहजहांपुर में सेठ एंक्लेव स्थित करोड़ो की संपत्ति को बैंक ने सीज कर दिया है। दो दिन पहले मुंबई से सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के अधिकारी शाहजहांपुर पहुंचे थे और यहां आकर उन्होंने कार्रवाई शुरू कर दी थी। रविवार को उन्होंने इस प्रॉपर्टी पर बैंक का बैनर लगा दिया। इसमें लिखा था कि यह संपत्ति सेंट्रल बैंक आफ इंडिया मुंबई की है इस पर किसी तरह का कोई भी खरीद फरोख्त ना की जाए। सोमवार सुबह सेंट्रल बैंक आफ इंडिया मुंबई के अधिकारी इस प्रॉपर्टी पर पहुंचे और इसे सीज कर दिया। बता दें कि राजपाल यादव के पिता नौरंगी लाल यादव के नाम से मुंबई की सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की बांद्रा ब्रांच से एक बड़ा लोन लोन लिया था। इस लोन को न अदा कर पाने के कारण यह कार्रवाई की गई है।

वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 को लेकर अजीत का बयान.... .बढा देगा महायुति में टेशन

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को लेकर राजनीति जारी है। फिलहाल बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। हालांकि, इस लेकर एनसीपी प्रमुख अजित पवार का बयान भाजपा की टेंशन को बढ़ सकता है। धुले में एनसीपी जन सम्मान यात्रा को संबोधित कर पवार ने कहा कि केंद्र सरकार एक नया बिल (वक्फ संशोधन विधेयक, 2024) लेकर आई है। इस बिल को जेपीसी के पास भेजा गया है जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सांसद शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा कि एनसीपी ने फैसला किया है कि अगर आपको इस बिल को लेकर कोई चिंता है, तब हमारी पार्टी आपकी बात सुनेगी। उन्होंने कहा कि हम अल्पसंख्यकों के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाओं के लिए हम नई लाडली बहना योजना लेकर आए हैं। राज्य की महिलाओं को एनसीपी पर भरोसा है। नवंबर में चुनाव होगा और दिसंबर में नई सरकार बनेगी। हमें इस योजना को आगे भी जारी रखना है। इसलिए मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि महायुति और उसके संबंधित विधायक उम्मीदवारों का समर्थन करें। पवार ने कहा कि हमने तय किया है कि इस शैक्षणिक वर्ष से ईडब्ल्यूएस और पिछड़े वर्ग की महिलाओं की कॉलेज शिक्षा को पूरी तरह से प्रायोजित किया जाएगा। 8 अगस्त को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने नासिक के डिंडोरी से अपनी जन सम्मान यात्रा शुरू की।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी.....आज दिल्ली में ट्रैफिक रूट रहेगा डायवर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर दिल्ली में तैयारियां जोरों पर हैं। स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को देखकर दिल्ली पुलिस ने 13 अगस्त को ट्रैफिक रूट डायवर्ट करने का फैसला किया है।

दरअसल मंगलवार दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर फुल ड्रेस रिहर्सल होने वाली है। यह देखकर कुछ सड़कों को बंद किया जाएगा। वहीं वैकल्पिक मार्गों को लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पूरी जानकारी साझा की है। रिहर्सल को सुचारू रूप से चलाने के लिए शहर भर की प्रमुख सड़कें सुबह 4 बजे से 11 बजे तक बंद रहेंगी। रिहर्सल के दौरान आठ प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसमें नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, एसपी मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निषाद राज मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और उसका लिंक रोड, राजघाट से आईएसबीटी तक रिंग रोड, आईएसबीटी से आईपी फ्लाईओवर तक आउटर रिंग रोड शामिल है।

रिहर्सल के लिए उचित पार्किंग लेबल के बिना वाहनों को कई प्रमुख क्षेत्रों से बचना होगा। इस दौरान लोग सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, कोपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, डब्ल्यू पॉइंट, ए पॉइंट , तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, जेएल नेहरू मार्ग, निजामुद्दीन खट्टा और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड, निजामुद्दीन खट्टा से सलीमगढ़ बायपास होकर आईएसबीटी कश्मीरी गेट तक बाहरी रिंग रोड शामिल है। बता दें कि रिहर्सल के दौरान शांति वन की ओर जाने वाला पुराना लोहे का पुल और गीता कॉलोनी पुल बंद रहेगा। हालांकि, रिंग रोड तक पहुंच के लिए डीएनडी, एनएच-24 (एनएच-9), युधिष्ठिर सेतु, सिग्नेचर ब्रिज और वजीराबाद ब्रिज खुले रहेगा। वहीं निजामुद्दीन और वजीराबाद पुलों के बीच मालवाहक वाहनों की आवाजाही 12 अगस्त की मध्यरात्रि से 13 अगस्त की सुबह 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेगी।

हिंडनबर्ग-सेबी विवाद से उबरा बाजार शुरुआती गिरावट के बाद सपाट बंद

मुंबई (ईएमएस)। हिंडनबर्ग-सेबी विवाद के बीच सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद हुए। शुरुआती गिरानट से उबरते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 56.99 अंक टूटकर 79,648.92 पर बंद हुआ। सोमवार को सुबह के कारोबार में इंडेक्स 479.78 अंक की गिरावट के साथ 79,226.13 के निचले स्तर पर आ गया था। बाद में बेंचमार्क में तेज सुधार हुआ और यह 400.27 अंक चढ़कर 80,106.18 पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 20.50 अंक गिरकर 24,347.00 पर बंद हुआ। निफ्टी में सोमवार को 24,212.10 और 24,472.80 के रेंज में कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। एक्सिस बैंक, इंफोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे। इसके अलावा, कोटक बैंक, मारुति, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, एसबीआई और नेस्ले इंडिया सेंसेक्स के टॉप-5 लूजर्स साबित हुए। इसके अलावा, एमएंडएम, रिलायंस,टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल,आईटीसी, टाइटन, बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।

बाजार जानकार ने कहा, भारतीय बाजार अपेक्षाकृत सपाट रहा। उन्होंने कहा कि अदाणी-हिंडनबर्ग और सेबी के बीच फिर से विवाद के तुल पकड़ने से बाजार की शुरुआत कमजोर रही। हालांकि, बाद में भारतीय शेयर बाजार, वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेत लेते हुए स्मार्ट रिकवरी करने में कामयाब रहे।

ग्लोबल मार्केट का कैसा रहा हाल

एशियाई बाजारों में, सियोल और हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में रहे, जबकि शंघाई निचले स्तर पर बंद हुआ। टोक्यो और बैंकॉक में बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजार अधिकतर ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

शुद्ध खरीदार रहे विदेशी संस्थागत निवेशक

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआईएस) कई दिनों की शेयर बिकवाली के बाद शुक्रवार को खरीदार बन गए। उन्होंने 406.72 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत चढ़कर 80.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

रविशंकर प्रसाद, संजय निरुपम ने हिंडनबर्ग पर हमला बोला

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और पूर्व सांसद संजय निरुपम ने हिंडनबर्ग पर हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि 'हिंडनबर्ग रिसर्च ने कांग्रेस के साथ मिलकर देश को बदनाम किया है और अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी के खिलाफ 'सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और जयराम रमेश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''राहुल (गांधी) और जयराम रमेश। यह देश को बदनाम करने वाला गिरोह है। हिंडनबर्ग हमें बदनाम करता है। हम राष्ट्र का यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। ये लोग देश के दुश्मन हैं। अब हिंडनबर्ग के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के इस रुख को दोहराया कि शॉर्ट सेलिंग कंपनी का आरोप और विपक्ष द्वारा बाजार नियामक सेबी की आलोचना एक व्यापक साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर एक सुरक्षित, स्थिर और बेहतर बाजार के तौर पर देखा जा रहा है लेकिन कांग्रेस पार्टी ऐसा माहौल बनाना चाहती है कि भारत का निवेश परिदृश्य सुरक्षित नहीं है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस हिंडनबर्ग में निवेशक हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि शेयर बाजार धराशायी हो जाए जिसने करोड़ों छोटे निवेशकों को अच्छी आय दी है। उन्होंने कहा

जन हितैषी

सेबी प्रमुख माधवी बुच का इस्तीफा और जेपीसी की मांग पर अड़ा विपक्ष

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। उन आरोपों को सेबी प्रमुख माधवी बुच ने अपने खंडन में एक तरह से स्वीकार कर लिए हैं। सेबी का पूर्ण कालिक डायरेक्टर और अध्यक्ष बनने के पहले उनका पैसा निवेश था। वह तब सिंगापुर की नागरिक थी। डायरेक्टर बनने के पहले उन्होंने अपने शेयर अपने पति के नाम पर ट्रांसफर कर दिए थे। 2018 में इस फंड को अनिल आहूजा की सलाह पर उन्होंने निवेश किया है। अब अनिल आहूजा ने कहां निवेश किया है। इस जिम्मेदारी से बुच दंपति ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। आरोप का खंडन करते हुए उन्होंने कहा, उनके द्वारा कोई प्रत्यक्ष निवेश अदानी समूह में नहीं किया गया है। उनके पति धवल ने यह भी स्वीकार किया है। 2019 में ब्लैक स्टोन फंड से जुड़े थे, लेकिन वह फंड की रियल स्टेट विंग में नहीं थे। एक तरह से उन्होंने हिडनबर्ग के आरोपों को स्वीकार कर लिया है। अपने बचाव मे यह जरूर कहा, सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब हिडनबर्ग ने नहीं दिया है, उल्टा आरोप लगा दिए हैं। माधवी बुच ने 16 मार्च 2022 तक अगोरा पार्टनर्स सिंगापुर में 100 फ़ीसदी भागीदारी के बारे में कोई खंडन नहीं किया है। हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के साथ जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं। उन दस्तावेजों और आरोपों को माधवी और उनके पति धबल बुच ने स्वीकार कर लिया है। उस निवेश को नियमानुसार सही ठहरने का प्रयास किया है। इस सफाई के बाद भी हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सारा विपक्ष एकजुट होकर सेबी प्रमुख माधवी बुच से इस्तीफा मांग रहा है। इस्तीफा नहीं देने पर सरकार से निलंबन की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है, सेबी प्रमुख के पद पर माधवी के रहते हुए जांच संभव नहीं है। विपक्ष का आरोप है, सेबी प्रमुख ने सुप्रीम कोर्ट को अंधेरे में रखा। जांच को अटकाने और भटकाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी, टीएमसी, आम आदमी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई करने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस्तीफा मांग लिया है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति की थी। जब पहली बार हिडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी के बचाव में पूरी ताकत लगा दी थी। जिन-जिन लोगों ने गौतम अडानी के बारे में संसद के अंदर और संसद के बाहर सवाल किए थे। उन सब को सरकार द्वारा प्रताड़ित किया गया। अतः जेपीसी के माध्यम से ही शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच संभव है। राहुल गांधी ने भी 20000 करोड रुपए की ऑफशोर फंडिंग मे पैसा किसका था। इसका जवाब अभी तक की जांच में नहीं मिला है। उन्होंने भी जेपीसी की मांग की है। हिडनबर्ग का भारत से प्रत्यक्ष रूप से कोई लेना-देना नहीं है। सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब देना उसके लिए आवश्यक नहीं है। सेबी का मानना था, वह कोई जवाब नहीं देगा, इस मामले को रफादफा कर दिया जाएगा। लेकिन यह दांव सेबी पर उल्टा पड़ गया। हिडनबर्ग ने दूसरी बार की रिपोर्ट में सेबी प्रमुख और अडानी के बीच के संबंधों को उजागर कर दिया। भारत की नियामक संस्था, सेबी प्रमुख द्वारा किस तरह से अडानी समूह को बचाया जा रहा है। अदानी समूह और सेबी प्रमुख के रिश्ते उजागर हो गए हैं। दूसरी रिपोर्ट के दस्तावेजों के आधार पर जांच कराए जाने का दबाव सरकार और सुप्रीम कोर्ट पर बढ़ गया है। जिस तरह से यह मामला तूल पकड़ रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार में भारी घबराहट है। रविवार के दिन सरकार, सेबी और कारपोरेट जगत ने बाजार को गिरने से रोकने के लिए रणनीति तैयार कर ली थी। सोमवार को जब शेयर बाजार खुला, गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। सभी वित्तीय संस्थानो और कारपोरेट जगत के सहयोग से बाजार को गिरने से रोका गया। विदेशी निवेशक लगातार शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। उससे ज्यादा पैसा भारत सरकार की वित्तीय संस्थाएं शेयर बाजार में निवेश कर रही हैं। बाजार में भारी पैसा निवेश किया है। डीमेट के माध्यम से करोड़ों आम लोगों ने म्युचुअल फंड में निवेश किया है। सोमवार को बाजार की गिरावट को, किसी तरीके से रोक लिया गया है। अदानी समूह के शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। जिस तरह की घबराहट आम निवेशकों में है। विदेशी निवेशक बाजार छोड़कर बाहर जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट को रोक पाना सरकार और कॉर्पोरेट कंपनियों के वश की बात नहीं रह गई है। शेयर बाजार को बचाए रखने के लिए सेबी प्रमुख माधवी को स्वयं इस्तीफा देकर निवेशकों का विश्वास बढ़ाना होगा। सरकार को निष्पक्ष जांच कराने के लिए जेपीसी की जांच को स्वीकार करना चाहिए। भारतीय शेयर बाजार में बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, म्युचुअल फंड और अन्य फंड शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश हैं। निष्पक्ष तरीके से जांच और छोटे निवेशकों की सुरक्षा को पुख्ता नहीं किया गया, तो देश में भयानक आर्थिक संकट की आशंका अर्थशास्त्रियों द्वारा व्यक्त की जाने लगी है। शेयर बाजार के निवेशकों को हर्षद मेहता घोटाले की याद आने लगी है। 1990 से 1992 के बीच में इसी तरह शेयर बाजारों मे कृत्रिम तेजी बनाई गई थी। वही घबराहट अब निवेशकों में दिखने लगी है। वर्तमान घोटाले की तुलना में हर्षद मेहता का घोटाला ऊंट की तुलना में जीरे के समान है। शेयर बाजार अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार कर रहा है। 1992 में जो घोटाला हुआ था। उस समय देश का पैसा देश के पास था। अब मुनाफा वसूली के जरिए विदेशों में चला गया है। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार की गड़बड़ी देश की आर्थिक स्थिति को अर्श से फर्श में पहुंचा सकती है। 1992 के शेयर बाजार के घोटाले में सरकार बचाव की मुद्रा में नहीं थी। वर्ष 2023 एवं 2024 में सरकार घोटालेबाजों का बचाव कर रही है। अब विपक्ष एकजुट हो गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष की शक्ति काफी बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में सरकार बहुत लंबे समय तक घोटालेबाजों का संरक्षण नहीं कर सकती है। एकमात्र विकल्प जेपीसी का गठन है। इससे राजनैतिक एवं आर्थिक हितों को सुरक्षित किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य कोई विकल्प सरकार के पास नहीं है।

दिल्ली की सिंधासन के लिए सियासी जंग शुरू

भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ व पंडितयों के मध्य चिन्तन व चर्चा दबी जुबान से शुरू हो गई कि मोदी व शाह के लिए तीसरे काल में सरकार चलाना इतना आसान नहीं, जिसकी झलकआये दिनों देखने को मिलनें लगी है। विश्व के राजनीति पटल पर सदियों से अपना सिक्का जमाने वाला हमारा देश भारतवर्ष सैदव ही चर्चा के केन्द्र में रहता है।भारतीय राजनीति में इसी क्रम में परिवर्तन का चक्र चला दिल्ली दरबार के सिंधासन भाजपा व उनकी सहयोगी दलों की सरकार बनी, 2014 से 2024 दो कार्यकाल तक चली,भाजपा व मोदी सरकार के हौसले बुलंद थें।दूसरे कार्यकाल में तो विपक्ष को कुछ नही माने देश के लोकतंत्र के मन्दिर में संविधान संसोधन,बिल पास करवाने विपक्षों दलो के सांसद का निलम्बन आदि काफी चर्चा व चिन्तन का विषय बना,पार्टी द्वारा अपने संरक्षक स्वरूप आर एस एस अर्थात संघ की अनदेखी तक करते लगी।सर पर 2024 का साधारण चुनाव था।इसके पूर्व राज्यो के विधान सभा चुनावों में सफलता मिलती देख कर,अपने समर्थकों व पार्टी के कार्यकत्ताओं के लिए फरमान जारी कर दिया कि मोदी-शाह के नेतृत्व में अबकी बार 400 का दिया, पार्टी नें अपने मोदी-शाह जिसे चाणक्य भी कहा जाने था। लोकसभा चुनाव के परिणाम 400 का आकंडा पहुंचना तो दुर की बात-सरकार बनाने के लिए दो दलों का बैसाखी का लेना पड़ा।भारतीय राजनीति के क्षितिज पर विगत 10 बर्षो तक चमकने -दमकने वाला मोदी व उसके अजीज दोस्त शाह की करिश्माई जोड़ी के नेतृत्व में एन डी ए व दो बैशाखी के सहारे की सरकार तो बना ली, लेकिन दिल्ली दरबार की तीसरी मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही यह पूछा जाने लगा था कि भाजपा व उसके सहयोगी दलों की केन्द्र में सरकार कितने दिन चलेगी ?यहाँ पर आपके मन सक व शंका उठना स्वाभाविक है कि 10 बर्षो से केन्द्र सरकार में एन डी ए की नेतृत्व वाली सरकार के लिए ऐसी कहना उचित है क्या। मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि ऐसी आशंका किसी भी गठबंधन सरकार के लिए जताई जाती रहीहै।कई गठबंधन सरकारें चली भी हैं,तो गठबन्धन की सरकार ताश के पत्ते की भरभरा कर गिरी भी हैं। आप को स्मरण होगा सन1992 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में बनी नरसिंह राव की सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था।उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)ने भी अपना कार्यकाल पूरा किया था।डा0 मनमोहन सिंह की अगुवाई में दो ङ्क%छ्हृ–ह्रद्धह्र 1और यूपीए 2 ने अपना कार्य काल पूरा किया था।वही गठबंधन सरकारों के बीच में ही भरभराकर गिर पड़ने के कई उदाहरण हैं।भारतीय राजनीति में आपातकाल अध्याय के बाद केंद्र में विपक्ष की बनी पहली सरकार जनता पार्टी की एक तरह से गठबंधन की ही सरकार थी।वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। बाद में 1989 में जनता दल के नेतृत्व में बनी सरकार भी बीच में ही गिर गई थी।

इस सरकार को एक ओर से वामपंथी तो दूसरी ओर से बीजेपी समर्थन दे रही थी।इसी तरह से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी दो सरकारें भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं।एक बार तो वाजपेयी लोक सभा में बहुमत ही नहीं साबित कर पाये(सरकार महज 13 दिन रही)और दूसरी बार सरकार बनी तो महज 13 महीनों में ही गिर गई।इससे पहले चौधरी चरण सिंह की सरकार महीने भर और चंद्रशेखर की सरकार भी चार महीने में ही गिर चुकी है।

एक बच्चे की सउरी(गर्भवती जिस कमरे में बच्चे को जन्म देती है)में ही नजर उतराई(झाड़-फूंक) होने लगे उसके सौ साल जीने की उम्मीद कैसे लगाई जाए।राहुल गाँधी और लालू प्रसाद यादव दोनों इस ख्वाहिश को जता चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की एन 1 व एन 2 की बैसाखी वाली सरकार कितने दिन चल पायेगी।दोनों सहयोगी दलों मोदी सरकार से अपनी दलो व राज्यों सरकार कई बात की उम्मीद लेकर बैठे हैं। सर्व विदित रहे कि तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू,जिनकी पार्टी के 16 सदस्य हैं और जनता दल यू के नेता नीतीश कुमार,जिनके दल के 12 सदस्य हैं,किसी न किसी दिन सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे।संसद के बजट सत्र में ,इस बात के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी चुतराई से दोनों राज्यों को बड़े पैकेज देकर उनकी चाहत का ख्याल रखा गया। उन्हें असंतोष नहीं हुआ लैकिन दूसरे राज्यों में असंतोष देखने को मिला है,उनका मानना है कि मोदी सरकार ने बजट में उनके साथ अन्याय हो रहा है।जिसकी झलक नीति आयोग की बैठक मुख्य मंत्रियों का बहिष्कार कर हालाँकि प0 बंगाल की मुख्य मंत्री सुश्री ममता बनजी बैठक में बैठक के मध्य में छोड़ कर चली गई।उनका आरोप था कि उन्हें बैठक में बोलने के लिए एक तो कम समय मिला इतना ही बीच में उनका माईक बंद कर दिया।मोदी सरकार व पार्टी का मानना है कि अगर चंद्रबाबू और नीतीश के समर्थन वापस ले लेने पर भी सरकार के पास 266 सदस्यों का समर्थन रहेगा। जिसकी सरकार होती है उसके लिए छह बाकी सदस्यों का इंतजाम करना बहुत मुश्किल नहीं होगा।वे महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की तरह केंद्र में भी दूसरी पार्टियों के सांसदों को बीजेपी में मिलाकर अपनी संख्या 272 तक पहुंचाने की कोशिश जरूर करेंगे। पीछे भी यही मोदी शाह टीडीपी के सांसदों को तोड़ भी चुके हैं, इसलिए इस बात की गारंटी नहीं है कि वे इस बार ऐसी कोई कोशिश नहीं करेंगे इसलिए सरकार गिरे,यह सहज में तो संभव नहीं।लेकिन सरकार के सामने समस्या है,और वह असल समस्या यह है कि भाजपा और संघ में मोदी और शाह के खिलाफ असंतोष बन आया है।उनकी वोट दिला पाने की क्षमता और छ्ङ्ग%ल्लू*ह्रह्र–ह्रद्धह्र पर सवालिया निशान लग गया है।माना जा रहा है कि उनकी गलत नीतियों और उनकी मनमानी के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान हुआ है।इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले जम्मू-कश्मीर,महाराष्ट्र,हरियाणा और झारखंड विधान सभा के चुनावों में यदि भाजपा हारती है तो मोदी-शाह के नेतृत्व पर सीधा सवाल उठ सकता है।उन्हें बदलने की मांग उठ सकती है।

साथ ही, मोदी और शाह पर अब जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का भी दबाव है। लोकसभा चुनाव में जनता ने दिखा दिया है कि वह मोदी सरकार के कार्यकाल से खुश नहीं है और उन्होंने अपनी कार्यशैली न बदली तो इस बार बहुमत नहीं दिया,आगे इस लायक भी नहीं छोड़ेगी कि वे सरकार बना सकें।भाजपा का कोर वोटर वर्ग भी अब यह आशा छोड़ चुका है कि मोदी और शाह अब हिंदुत्व का कोई बड़ा काम कर पाने की हैसियत में हैं।2047 में भारत की बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाने का लोक लुभावना उन्हें प्रंसद नही आ रहा।उनका सीधा सवाल है,कहाँ गया एनआरसी या कॉमन सिविल कोड का मुद्दा? पीओके को भारत में मिलाने का मुद्दा?बढ़ती आबादी पर लगाम लगाने का मुद्दा? ये सवाल दिनोंदिन प्रखर होते जाएंगे। विपक्ष अब मज़बूत है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण लोक सभा में इसी सत्र के दौरान सरकार द्वारा वफफ बोर्ड संसोधन बिल पास नही करवाई पाई आखिरकार जे पी सी में भेजना है।वही राज्य सभा में सभापति व राज्य सभा सांसदों के बीच बढ़ते ठकराव ये तनाव इतनी बढ़ गई कि विपक्ष सभापति महोदय से अपने वर्त्ताव मे बदलाव करने की माँग करने लगी बात उनके पर महाभियोग लाने की तैयारी करने के लामबन्ध हो गए हालाकि संसद के सत्र जो पूर्व कार्यक्रम के अनुसार 12 अगस्त तक चलने वाली थी शुक्रवार को सदन को अगली घोषणा तक स्थगित कर दी गई।वही राहुल गाँधी की छवि भी बदल चुकी है।वें विपक्ष के नेता बन गए है।सम्पूर्ण विपक्ष भी अब लोगों के बीच सवाल पहुँचाने में कमजोर नहीं पड़ेगा।खैर इस संदर्भ में अभी से कुछ कहना जल्दबाजी होगी,ये तो अतीत के गर्भ में छुपा है।एक बात 100ञ्ज सच है कि राजनीति कुछ में कुछ असम्भव नही है।इसके लिए आप व हमें इतंजार करना ही उचित होगा।फिलहाल आप सभी यह कहते हुए विदा लेते है-ना ही काहुँ से दोस्ती,ना ही काहुँ बैर। खबरीलाल तो माँगे,सबकी खैर ? फिर मिलेंगे,तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग।तब तक के लिए आप सभी से विदा चाहते है। अलाविदा। (लेखक- विनोद तकियावाला/ ईएमएस) (स्वतंत्र पत्रकार/स्तम्भकार)

अंगदान बीमार या मरते को नयी मुस्कान देने का पुण्य

(विश्व अंगदान दिवस-13 अगस्त 2024 पर विशेष)

विश्व अंगदान दिवस प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में अंगदान के महत्व को समझने के साथ ही अंगदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है ताकि अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों को अंगदान से जुड़ी गलतफहमियों से अवगत कराया जा सके। इस दिवस का एकमात्र उद्देश्य मुख्य रूप से लोगों को मृत्यु के बाद अंगदान के महत्व के बारे में प्रोत्साहित करना और शिक्षित करना है ताकि अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके, जरूरतमंदों की जीवन मुस्कान लौटायी जा सके। गुर्दे, हृदय, अग्न्याशय, आंखें और फेफड़े जैसे अंग दान से पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हो। इस दृष्टि से अंगदान एक महान् दान है, जो हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। अंग दान-दाता कोई भी हो सकता है, जिसका अंग किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये अंग से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। वर्ष 2024 की इस दिवस की थीम है 'आज किसी की मुस्कान का कारण बनें!'

'अंगदान दिवस' पूरे विश्व एवं भारत में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह अंगदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह अंगदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा प्रदान करती है। अंगदान ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी जीवित या मृत, दोनों तरह के व्यक्तियों से स्वस्थ अंगों और ऊतकों को लेकर किसी अन्य ज़रूरतमंद व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। प्रत्यारोपित होने वाले अंगों में दोनों गुर्दे (किडनी), यकृत (लीवर), हृदय, फेफड़े, आंत और अग्न्याशय शामिल होते हैं। जबकि ऊतकों के रूप में कॉर्निया, त्वचा, हृदय वाल्व कार्टिलेज, हड्डियों और वेसेल्स का प्रत्यारोपण होता है। आँख, पाचक ग्रंथि, आँत, अस्थि ऊतक, हृदय छिद्र, नसें आदि अंगों का भी दान किया जा सकता है। पूरे देश में ज्यादातर अंग दान अपने परिजनों के बीच में ही होता है अर्थात् कोई व्यक्ति सिर्फ अपने रिश्तेदारों को ही अंग दान करता है। विश्व स्तर पर और भारत जैसे विकासशील देशों में अंग की बढ़ती आवश्यकता को रोकने में मृत दाता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि एक मृत दाता आठ व्यक्तियों को बचा सकता है।

2021 में, वैश्विक स्तर पर 1,44,302 अंग प्रत्यारोपण हुए, जिनमें से 26.44 प्रतिशत (38,156) मृतक अंग दान के हैं। भारत ने कुल 12,259 प्रत्यारोपण किए, जो वैश्विक प्रत्यारोपण में 8 प्रतिशत का योगदान देता है, जिसमें प्रमुख प्रत्यारोपण गुर्दे (74.27 प्रतिशत), उसके बाद लीवर (23.22 प्रतिशत), हृदय (1.23 प्रतिशत), फेफड़े (1.08 प्रतिशत), अग्न्याशय (0.15 प्रतिशत) और छोटी आंत (0.03 प्रतिशत) के हैं। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, 2021 की तुलना में, भारत में क्रमशः किडनी (759), लिवर (279) और हृदय (99) में 1137 अधिक मृत अंग प्रत्यारोपण की सूचना मिली है। हालांकि, भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, मांग को पूरा करने के लिए लगभग 175,000 किडनी, 50,000 लिवर, हृदय और फेफड़े और 2,500 अग्न्याशय की आवश्यकता है। प्रत्यारोपण की संख्या और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच एक बड़ा अंतराल है। अंगदान जीवन के लिये अमूल्य उपहार है। अंगदान उन व्यक्तियों को किया जाता है, जिनकी बीमारियाँ अंतिम अवस्था में होती हैं तथा जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। जीवित व्यक्ति के लिये अंगदान के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही अधिकांश अंगों के प्रत्यारोपण का निर्णायक कारक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति होती है, उसकी आयु नहीं। जीवित अंगदाता द्वारा एक किडनी, अग्न्याशय, और यकृत के कुछ हिस्से दान किये जा सकते हैं। कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डी और त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के पश्चात् दान किया जा सकता है, परंतु हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्न्याशय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेन डेड के मामले में ही दान किया जा सकता है।

अंगदान और प्रत्यारोपण 'मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओए) 1994 के अंतर्गत आता है, जो फरवरी 1995 से लागू हुआ। इस अधिनियम के अनुसार अंगदान सिर्फ उसी अस्पताल में ही किया जा सकता है, जहां उसे ट्रांसप्लांट करने की भी सुविधा हो। यह अपने आप में बेहद मुश्किल नियम था। इस नियम से दूर-दराज के इलाकों के लोगों का अंगदान तो हो ही नहीं पाता था। इस समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा 2011 में इस अधिनियम को संशोधित किया गया। नए नियम के मुताबिक अंगदान अब किसी भी आईसीयू में किया जा सकता है अर्थात उस अस्पताल में ट्रांसप्लांट न भी होता हो, लेकिन आईसीयू है, तो वहां भी अंगदान किया जा सकता है। केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर साल लाखों लोगों के शरीर के अंग खराब होने के कारण मृत्यु हो जाती है।

दुनियाभर में रक्तदान के प्रति जागरूकता की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों ने इसका महत्व समझा और आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करने लगे हैं, उसी प्रकार अंगदान के प्रति वैश्विक जागरूकता की महत्ती आवश्यकता है। रक्तदान के बाद दूसरे स्थान पर है नेत्रदान। लोग अब नेत्रदान के लिए भी आगे आने लगे हैं। तथ्य बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर अंगदान में भारत की हिस्सेदारी बहुत ही कम है। यहाँ प्रति 10 लाख पर मात्र 0.15 लोगों द्वारा ही अंगदान किया जाता है। जब की प्रति 10 लाख पर अमेरिका में 27, क्रोएशिया में 35 एवं स्पेन में 36 लोग अंगदान करते हैं। अंगदान का पूरा रिकार्ड संधारित किया जाता है जिसकी जानकारी ''नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन'' को दी जाती है। 65 वर्ष उम्र तक के वे व्यक्ति जिनका ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हैं वे अंगदान कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति का 4 घंटे तक दिल एवं फेफड़े, 6 से 12 घंटे तक किडनी, 6 घंटे तक लिवर, 24 घंटे तक पेनक्रियाज एवं 5 साल तक टिश्यू को सुरक्षित रख जा सकता है। प्राकृतिक मौत पर दिल के वाल्व, कॉर्निया, त्वचा एवं हड्डी जैसे ऊतकों का दान किया जा सकता है।

भारत के आम नागरिकों में अंगदान को लेकर उचित शिक्षा और जागरूकता का अभाव है। अधिकांश लोग मृत्यु के बाद जीवन एवं पारलौकिक विश्वासों में जीता है। अतः शरीर के अंगों में काट-छाँट उन्हें प्रकृति व धर्म के विपरीत लगता है। इसके अलावा समाज में व्याप्त अंधविश्वास, अंगदान के प्रति लोगों में स्पष्ट अवधारणा का अभाव में भय एवं मिथक, दूर दराज क्षेत्रों में सुविधाओं का अभाव, मानसिक तौर पर मृत व्यक्ति के परिजनों की सहमति नहीं मिल पाना, अस्पताल में अंग लेने के साधनों का अभाव और सबसे ऊपर जागरूकता का अभाव ऐसी चुनौतियां है जिन पर गहन चिंतन-मनन करते हुए अंगदान को व्यापक बनाया जा सकता हैं। लोगों को खासकर ब्रेन डेड मरीज के परिजनों को समझना होगा कि अंगदान सबसे बड़ा दान एवं पुण्य का काम है। अंगदान कर आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा कर उसके जीवन में मुस्कान लाकर, पुण्य कमाने में पहल कर समाज में उदाहरण बन सकते हैं।

(लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

मरने से पहले शिवभक्त कांवड़िए ने बचाई कई जिंदगी!

(प्रेरक कथा अंगप्रत्यारोपण दिवस 13 अगस्त पर विशेष)

हरियाणा से हरिद्वार कांवड़ लेने के लिए आए 25 वर्षीय सचिन कांवड़ ले जाते समय अचानक एक वाहन की चपेट में आकर गम्भीर रूप से घायल हो गए।उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया परन्त अस्पतालों में मरीजों की संख्या ज्यादा होने के कारण जिस अस्पताल में भी जाते वही मना हो जाती,यह बात जब उत्तराखंड की राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी तक पहुंची तो उन्होंने दिल्ली में चलते सदन के बीच ही ऋषिकेश एम्स के निदेशक को फोन किया और सचिन नामक कांवड़िए को भर्ती करके उसकी जान बचाने का अनुरोध किया।सचिन की हालत बहुत गम्भीर थी,फिर भी तमाम व्यवधानों के बावजूद उसका उपचार कर जान बचाने का भरसक प्रयास किया गया।सांसद कल्पना सैनी भी पूरे समय तक एम्स के चिकित्सकों के संपर्क में रही ताकि एक युवा की जिंदगी बचाई जा सके।परन्तु सचिन को ज्यादा चोट लगने के कारण उसका ब्रेन डेड हो चुका था और बचने की सारी उम्मीदे खत्म हो गई थी।जब यह बात उपचार कर रहे चिकित्सको ने सचिन के पिता सतीश को बताई और उन्हें बेटे की जिंदगी के बदले कई जिंदगियां बचाने के लिए बेटे के महत्वपूर्ण अंगों को दान करने की सलाह दी तो पहले तो वे विचलित हो गए और अपने लाडले के निर्जीव शरीर से अंग न निकालने पर अड़े रहे परन्तु काफी समझाने पर वे यह महादान करने के लिए तैयार हो गए।सचिन के ब्रेन डेड शरीर से किडनी,लीवर व आंखे अन्य मरीजों को प्रत्यारोपित करने के लिए चंडीगढ़ व नई दिल्ली तक विशेष कॉरिडोर बनाया गया ,तब जाकर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी हुई।सचिन अब स्वयं की जिंदगी के बजाए दुसरो को किए अंगदान से कई जिंदगियो के रूप में अमर हो गया है।सचिन के पिता सतीश ने समय पर मदद करने के लिए राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी को भावपूर्ण कर्तयज्ञता संदेश भेजा है। वास्तव में जब आप अंग दान करते हैं, तो आप किसी को जीवन जीने का दूसरा मौका देते हैं। लेकिन यह सिर्फ़ एक व्यक्ति की जान बचाने के बारे में नहीं ,बल्कि अंग दान से बहुत से लोगों और उनके परिवारों की मदद की जा सकती है। एक दाता 8 लोगों की जान बचा सकता है और 75 से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी बेहतर बना सकता है। सक्रिय अंग दाता बनने के लिए आपको मरना ज़रूरी नहीं है। अगर आप स्वस्थ हैं, तो आप जीवित रहते हुए भी किडनी या लीवर का हिस्सा जैसे कुछ अंग दान कर सकते हैं। इस तरह के दान से किसी व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है, जीवित दान में आमतौर पर एक किडनी या लीवर का हिस्सा या अन्य ऊतक दान करना शामिल होता है, आप दान करने के लिए पर्याप्त स्वस्थ चाहिए, और यह प्रक्रिया आपके और अंग प्राप्तकर्ता दोनों के लिए सुरक्षित है।हृदय, गुर्दे, यकृत और फेफड़े जैसे अंगों की मांग बहुत अधिक है, और इनमें से किसी एक प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा करते हुए हर दिन 17 लोग मर जाते हैं। हालांकि 170 मिलियन से अधिक लोग पंजीकृत दाता भी हैं।हकीकत यह है कि 1,000 में से केवल 3 लोग ही ऐसे मरते हैं जिससे मृतक अंग दान की अनुमति मिलती है। राष्ट्रीय प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में 103,223 लोगों में से किसी को भी अंगदान करके उनके जीवन को सुरक्षित किया जा सकता है।एक अंग दाता अंग दान के ज़रिए आठ लोगों की जान बचा सकता है। एक हृदय दान एक व्यक्ति की जान बचा सकता है, जबकि एक लीवर या फेफड़े का दान दो लोगों की जान बचा सकता है। किडनी दान दो लोगों की जान बचा सकता है, जबकि अग्न्याशय दान एक व्यक्ति की जान बचा सकता है और दूसरे के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। आंत दान भी एक व्यक्ति की जान बचा सकता है।

इसके अलावा, एक ऊतक दाता 75 लोगों के जीवन को बेहतर बना सकता है। कॉर्निया दान से दो लोगों की दृष्टि वापस आ सकती है, जबकि हड्डी और ऊतक दान से गंभीर चोटों या बीमारियों से पीड़ित लोगों की गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

अंग दान से प्राप्तकर्ता लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं और उनका जीवन बेहतर हो सकता है। भारत में अंग दान की दर दुनिया में सबसे कम है।कोई भी व्यक्ति, चाहे उसकी उम्र, जाति या धर्म कुछ भी हो, अपने अंग दान कर सकता है। हालांकि, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि संभावित अंग दाताओं को एचआईवी, कैंसर, हृदय रोग या मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियाँ न हों।जब भारत में अंगदान की बात आती है, तो मरीज के परिवार को अंग देने या न देने का अंतिम निर्णय लेना होता है। कोई भी व्यक्ति जो अपने अंग दान करना चाहता है, वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध डोनर अनुमति फॉर्म भरकर ऐसा कर सकता है।आइए हम यह संकल्प लें कि भारत में कोई भी व्यक्ति अंगों की कमी के कारण कभी नहीं मरेगा।

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

शब्द पहेली - 8097

बाएँ से दाएँ

1.घूमना-फिरना-4
4.पक्षियों का शोर-4
7.धोखाधड़ी,मक्कारी-5
9.भस्म,खाक -2
11.आज्ञापालक,कर्मचारी-2
12.मगन,लीन-2
13.नेत्रावरण-3
15.त्याग,दक्षिणा-2
16.जीभ,जिव्हा-3
17.मक्खन-3
18.पेड़

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सेठ का बयान.....सारा कुछ सेबी और माधबी पुरी बुच ने बता दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और इसकी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच की ओर से ताजा हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर आए बयान के एक दिन बाद सोमवार को आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने बताया कि मोदी सरकार के पास इस मुद्दे पर कहने के लिए कुछ और नहीं है। सचिव सेठ ने कहा, 'सेबी ने बयान दिया है। चेयरपर्सन बुच ने भी बयान दिया ह्र्ष्ठ सरकार की ओर से और कुछ कहने के लिए नहीं है।'

बता दें कि रविवार को सेबी और माधबी पुरी बुच ने अदाणी मामले में हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए ताजा आरोपों का खंडन किया था। एक नई रिपोर्ट में, हिंडनबर्ग ने अदाणी जांच में देरी और इस मामले में सेबी की निष्पक्षता पर सवाल उठाया था, और आरोप लगाया था कि बुच और उनके पति धवल पक्षपात कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने एक फंड में निवेश किया था जिसका कथित तौर पर अदाणी ग्रुप के शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए उपयोग किया गया था।

हिंडनबर्ग ने विदेशी फंड स्ट्रक्चर के उपयोग पर भी सवाल उठाया और सेबी पर रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रिट) को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। हिंडनबर्ग का कहना है कि धवल बुच के प्राइवेट इक्विटी प्रमुख ब्लैकस्टोन के साथ कनेक्शन है और कंपनी घरेलू रियल्टी क्षेत्र में एक बड़ी निवेशक है। सेबी और बुच ने सभी आरोपों का खंडन कर उन्हें निराधार और चरित्र हनन का प्रयास बताया। हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट जारी की थी जिसमें बुच दंपति के आईपीई प्लस 1 फंड में निवेश के बारे में बताया गया था। आईपीई प्लस 1 फंड मॉरीशस का एक सेग्रिगेटेड फंड है, जिसे आईआईएफएल वेल्थ -अब 360-वन द्वारा प्रबंधित ग्लोबल डायनामिक ऑपर्च्युनिटीज फंड (जीडीओएफ) के तहत रखा गया था। हालांकि, 360-वन वोम ने बयान जारी कर कहा कि उसके आईपीई प्लस 1 फंड , में बुच दंपति ने निवेश किया था। लेकिन, जब तक उनका निवेश उस फंड में रहा था, उस टेन्योर के दौरान अदाणी समूह के शेयरों पर डायरेक्ट या इनडायरेक्ट पैसा नहीं लगाया गया। वहीं अदाणी समूह ने ताजा आरोपों को एक 'रेड हेरिंग' करार देकर दुर्भावनापूर्ण, शरारती और भ्रामक बताया।

हेलीकॉप्टर होटल की छत से टकराने से हुआ क्रैश

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के सुदूर उत्तरी क्वींसलैंड में हेलीकॉप्टर एक होटल की छत से टकराने से क्रैश हो गया। दुर्घटना में एक पायलट की मौत हुई और दो अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, मृतक पायलट की उम्र 40 साल है। वहीं 83 वर्षीय पुरुष और 76 वर्षीय महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने केर्न्स एस्प्लेनेड पर डबल ट्री बाय हिल्टन के आसपास आपातकाल की घोषणा की है। वहीं दुर्घटना के बाद लगभग 400 लोगों को निकाला गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना स्थल के पास एक होटल के कमरे में ठहरे 80 वर्षीय एक व्यक्ति और 70 वर्षीय एक महिला को धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ हुई। उन्हें इलाज के लिए केर्न्स अस्पताल पहुंचाया गया है।

इस घटना की जांच की जा रही है। दुर्घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में होटल की छत पर आग दिखाई दे रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हेलीकॉप्टर के दो प्रोपेलर टूट गए, इनमें से एक होटल के पूल में जा गिरा है।

हिजबुल्लाह ने छेड़ा.....तब लेबनान को दूसरा गाजा बना देगा इजराइल

तेहरान (ईएमएस)। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध छिड़ने की आंशका के बीच विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हिजबुल्लाह जिस तरह की नीति पर चल रहा है, वहां लेबनान को गाजा जैसी स्थिति में पहुंचा सकता है। हाल में हुए घटनाक्रम से ये क्षेत्र कभी ना खत्म होने वाले युद्ध की ओर जा रहा है। एक रिपोर्ट में पूर्व खुफिया अधिकारियों के हवाले से कहा है कि इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह पर हमले की तैयारी में है, इस वह ईरान का कठपुतली संगठन मानता है। ऐसा होने पर लेबनान में भारी तबाही हो सकती है और कुछ इसी तरह की सूरत बन सकती है जैसी बीते साल अक्टूबर के बाद गाजा पट्टी में बनी है। गाजा में 10 महीने से लड़ाई चल रही है। इजरायल के हमलों में बड़ी संख्या में फिलिस्तिनी मारे गए हैं और अभी भी इस संघर्ष के खत्म होने का रास्ता बनता नहीं दिख रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि ईरान समर्थित संगठनों, गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हूतियों की इजरायल के खिलाफ आक्रामकता ने एक खतरनाक स्थिति पैदा कर दी है। हाल के समय में हमास के बड़े नेता इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह के सीनियर करमांडर शुकर की हत्या के बाद युद्ध का एक नया खतरा मंडरा रहा है। पूर्व इजरायली खुफिया अधिकारी और सुरक्षा विश्लेषक एवी मेलमेड ने कहा कि लंबे समय से पश्चिम एशिया किसी ना किसी तरह से युद्ध देख रही है और ऐसा नहीं लगता कि बहुत जल्दी ये स्थिति बदल जाएगी। हमास अगर कमजोर होगा, तब हिजबुल्लाह लड़ाई में उतरेगा।

विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि लेबनान को गाजा जैसे हालात का सामना करना पड़ सकता है। बार्किंघम विश्वविद्यालय के सुरक्षा विशेषज्ञ प्रोफेसर एंथनी ग्लीस का मानना है कि इजरायल की लेबनान में कार्रवाई वहां गाजा जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। ब्रिटिश सेना के रिटायर कमांडर कर्नल रिचर्ड केम्प कहते हैं कि इजरायल पर कभी भी ईरान और हिजबुल्लाह का हमला हो सकता है। इन हमले में अगर इजरायल में बड़ा नुकसान हुआ, तब फिर इजरायल, ईरान और हिजबुल्लाह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करेगा। प्रोफेसर ग्लीज कहते हैं कि इजरायल ने हमास को हराने के प्रयास में गाजा में कहर बरपाया है। अगर हिजबुल्लाह की ओर से हमला हुआ तब लेबनान का भी वहीं हश्र हो सकता है जो फिलिस्तीनी क्षेत्र का हुआ है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

- सोना 69,800 रुपए, चांदी लगभग 80,250 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत नरमी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 69,800 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 80,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव में भी नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 69,719 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 101 रुपये की गिरावट के साथ 69,794 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 118 रुपये की गिरावट के साथ 80,425 रुपये पर खुला। इस समय यह 278 रुपये की गिरावट के साथ 80,235 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,470.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,473.40 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 7.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,466.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.55 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.58 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 27.44 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

यूक्रेन की सेना रुस में 30 किमी अंदर घुसी, इमारत पर फहराया झंडा

कीव (ईएमएस)। ढाई साल से रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है जिसमें सैकड़ों जाने जा चुकी हैं। रुस ने पहले यूक्रेन में भारी तबाही मचाई। अब यूक्रेनी सेना उसका बदला लेने मैदान में उतर आई है। यूक्रेन की सेना रूस के अंदर घुस कर हमले कर रही है, जिसके पुतिन घबरा गए हैं। यूक्रेन की सेना रूसी क्षेत्र में 30 किलोमीटर अंदर तक घुस गई है। रूस के अंदर इमारतों पर यूक्रेनी सैनिक अपने देश का झंडा लहरा रहे हैं। शीर्ष रूसी सैन्य अधिकारियों के लिए यह सबसे मुश्किल घड़ी है और वे इससे निपटने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। पुतिन के लिए यह बड़ी शर्म की बात है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से पहली बार किसी दूसरे देश की सेना रूस में घुसी है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आधिकारिक तौर पर यूक्रेनी सेना के रूस की सीमा में घुसने की पुष्टि की है। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सैनिकों ने टोलपिनो और ओब्श्री कोलोदेज गांवों के पास यूक्रेनी सैनिकों के साथ मुठभेड़ की। यूक्रेनी सेना के इस अप्रत्याशित कदम ने रूस और यूक्रेन दोनों को सहयोगियों को हैरानी में डाल दिया है। यूक्रेनी अधिकारी कई दिनों तक इस ऑपरेशन के बारे में चुप्पी साधे थे, जब तक कि रूस के अंदर यूक्रेनी सैनिकों की तस्वीरें, वीडियो और रिपोर्ट सामने नहीं आने लगी। रूसी आक्रमण के बाद से यूक्रेनी सेना के हमले ने रूस की सैन्य कमजोरियों को सामने ला दिया है।

रूसी अधिकारियों ने कुर्स्क और दो अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में अभियान शुरू किया है। कुर्स्क से हजारों लोगों को दूसरी जगह भेजा गया है। यूक्रेन ने कई हवाई हमलों में रूस के सीमावर्ती क्षेत्रों को निशाना बनाया है, लेकिन कुर्स्क ऑपरेशन के जरिए ये पहली बार हुआ है जब यूक्रेनी सेना ने रूसी क्षेत्र में प्रवेश किया है। हैरान करने वाली बात यह है कि रविवार को रूसी सेना यूक्रेन की बढ़त को रोकने में नाकाम रही। ऐसे फुटेज सामने आए हैं, जिसमें यूक्रेन के सशस्त्र बल युद्धग्रस्त रूसी क्षेत्र के गांव में हंसते हुए दिखाई दिए। एक विडियो में यूक्रेनी सैनिक अपने देश का झंडा लेकर इमारत पर जाता है और उसे दीवार पर खड़े अपने साथी सैनिक को सौंपता है। इसके बाद सैनिक इमारत पर यूक्रेन का झंडा फहरा देता है। इस दौरान यूक्रेनी सेना रूस का झंडा

लोकप्रियता के मामले में ट्रंप से आगे निकाली हैरिस

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कई प्रमुख चुनावी प्रांतों में लोकप्रियता में बढ़त बना ली है। चुनाव प्रचार के लिए चंदा एकत्र करने का भारतीय अमेरिकी हैरिस (59) का अभियान जारी है।

उनकी रैलियों में रिकॉर्ड भीड़ दिख रही है। हैरिस ने कहा, ''हम यह चुनाव जीत रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा जुटाया जिसमें कई भारतीय अमेरिकियों सहित करीब 700 दानदाताओं ने भाग लिया। डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के एक महीने से भी कम समय में हैरिस ने लोकप्रियता के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़त को लगभग खत्म कर दिया है।

सभी प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य सर्वेक्षणों की निगरानी करने वाली मीडिया कंपनी के अनुसार, लोकप्रियता रेटिंग में हैरिस अब सभी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के औसत में ट्रंप से 0.5 प्रतिशत अंक आगे हैं। इसके अनुसार, हैरिस ने लोकप्रियता के मामले में विस्कॉन्सिन और मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण प्रांतों में भी बढ़त बना ली है, जहां पहले बाइडन पीछे थे।

आशीष दुबे / 12 अगस्त 2024

आवामी लीग पार्टी के नेताओं को मौत का खौफ

पुलिस डयूटी पर लौटने के लिए तैयार नहीं

ढाका ईएमएस बांग्लादेश में सत्ता पलट के बाद शेख हसीना की पार्टी, आवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के ऊपर लगातार हमले हो रहे हैं। मौत का खौफ इस कदर छाया हुआ है। बड़े नेता अपना घर छोड़कर दूर रिश्तेदारों के यहां भागकर चले गए हैं।

प्रदर्शनकारी और कट्टरपंथी, हसीना की पार्टी के लोगों पर लगातार हमले कर रहे हैं। धर पकड़ से बचने के लिए नेता बांग्लादेश छोड़कर भाग रहे हैं। कई नेताओं को एयरपोर्ट पर भीड़ ने पकड़ लिया।

शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद से सबसे ज्यादा परेशानी में बांग्लादेश के पुलिसकर्मी और आवामी लीग पार्टी के नेता कार्यकर्ता हैं। इनका भय इतना बढ़ गया है, कि वह सामने ही नहीं आना चाहते हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद पुलिसकर्मी अपनी डयूटी पर नहीं लौटे हैं। जिसके कारण बांग्लादेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बना पाना अंतरिम सरकार के लिए भारी पड़ रहा है। एक दो जगह सेना के जवानों पर भी हमले हो चुके हैं।

जिस बर्बरता के साथ प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। आवामी लीग के नेता विरोध में मुकाबला कर रहे थे। उसके कारण कट्टरपंथी और प्रदर्शनकारी दोनों ही भारी नाराज हैं। प्रदर्शन के दौरान 1000 से ज्यादा युवाओं की मौत होने की खबर है। अफवाहों का बाजार भी इस समय बांग्लादेश में गर्म है। सेना के खिलाफ रोष नहीं है। लेकिन सेना के ऊपर विश्वास भी नहीं है। सेना भी अपने आपको ऐसी किसी मुश्किल में नहीं फंसाना चाहती है। जिससे उसके खिलाफ नाराजी बढ़े। बांग्लादेश की स्थिति कब और कैसे शांत होगी। इसको लेकर अंतरिम सरकार के मुखिया हर स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। जिस तरह की चुनौतियां प्रधानमंत्री को बांग्लादेश में देखने को मिल रही है। उससे निपटने में अभी उन्हें समय लग सकता है।

चीन की गोद में बैठे मुइज्जू ने इंडिया आउट अभियान से बनाई दूरी

माले (ईएमएस)। चीन की गोद में झूल रहे मालदीव का राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू दस महीने बाद भारत के पाले में फिर खड़े हो गए हैं। इंडिया आउट अभियान चलाकर सत्ता में आए मुइज्जू ने अब खुद ही इससे दूरी बना ली है। उन्होंने कहा कि वह ऐसी किसी चीज की इजाजत नहीं देंगे, जो मालदीव सरकार की विदेश नीति के खिलाफ हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक साक्षात्कार में राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि लोगों ने उन्हें वोट दिया क्योंकि वे उनकी विदेश नीति में भरोसा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश को शांति, विकास और सुरक्षा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार की विदेश नीति सभी देशों के साथ मिलकर काम करने की है और यहां अस्थिरता के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने अभी अपनी नीति, मालदीव सरकार की नीति बताई है। मैंने नीति को स्पष्ट कर दिया है। इस बीच इंडिया आउट आंदोलन के नेताओं में से एक पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने घोषणा की है कि अभियान जारी रहेगा, क्योंकि उन्हें यकीन नहीं है कि भारतीय सैन्यकर्मी पूरी तरह से मालदीव से चले गए हैं।

यामीन ने कहा है कि भारतीय सेना की मौजूदगी का मुद्दा हल नहीं हुआ है और वे इंडिया आउट अभियान जारी रखेंगे। उन्होंने सत्ता में आने के बाद इंडिया आउट प्रस्ताव रद्द नहीं करने के लिए मुइज्जू सरकार पर हमला बोला। मुइज्जू की विपक्षी पार्टी एमडीपी के अध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने कहा कि इंडिया आउट अभियान लोगों को धोखा देने के लिए बनाया गया। उन्होंने अभियान चलाने के लिए मुइज्जू सरकार से माफी की मांग की।

हेजिंग रणनीतियों के बिना ऑप्शन में उतरने वाले 97.8% व्यापारियों को गंवाना पड़ा पैसा

:: सैमको सिक्योरिटीज के ऑप्शन बी.आर.ओ.: खुदरा निवेशकों के लिए विकल्प ट्रेडिंग को सरल बनाएगा ::

मुंबई/इन्दौर (ईएमएस)। अग्रणी निवेश-तकनीकी कंपनी सैमको सिक्योरिटीज ने खुलासा किया है कि हेजिंग रणनीतियों के बिना ऑप्शन में उतरने वाले 97.8३ ट्रेडर्स को पैसा खोना पड़ा। इस समस्या का समाधान करने के लिए सैमको सिक्योरिटीज ने ऑप्शन बी.आर.ओ. विकसित किया है, जो एक अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म है जो खुदरा ऑप्शन ट्रेडर्स को अभूतपूर्व एफिसिएंशी और सटीकता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ऑप्शन बी.आर.ओ. ट्रेडर्स को अधिक सटीकता और सफलता के साथ ऑप्शन ट्रेडिंग की जटिलताओं से निपटने में मदद करने के लिए एक मजबूत समाधान प्रदान करता है।

ऑप्शन बी.आर.ओ. का अर्थ है बिल्ड, रिसर्च, ऑप्टिमाइज़। यह व्यापारियों को उनकी ट्रेडिंग रणनीतियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक शक्तिशाली समाधान प्रदान करता है। 1000 से अधिक रणनीति संयोजनों की पेशकश करके, यह प्लेटफ़ॉर्म यूजर्स को आसानी से जटिल डेटा का विश्लेषण करने और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए रणनीतियों को तैयार करने की अनुमति देता है। ऑप्शन बी.आर.ओ. 1.5 लाख से अधिक गणितीय गणनाएं करता है। 2000 से अधिक ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट का मूल्यांकन करता है, और केवल एक सेकंड में 1000 से अधिक रणनीतियों का आकलन करता है, जिससे त्वरित और सूचित निर्णय लेना सुनिश्चित होता है।

सैमको ग्रुप के संस्थापक और सीईओ जिमीत मोदी ने कहा, ऑप्शंस ट्रेडिंग अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण और डराने वाली हो सकती है, खासकर उन लोगों के लिए जो अभी शुरुआत कर रहे हैं। ऑप्शंस बी.आर.ओ. के साथ, हमारा लक्ष्य प्रक्रिया को सरल बनाना और ट्रेडर्स को जरूरी उपकरण और उनके व्यापार का अन्देखा सच प्रदान करना है जो उन्हें ऑप्शन ट्रेडिंग की जटिलताओं से निपटने और आत्मविश्वास के साथ ट्रेड करने में मदद करते हैं।

:: ऑप्शन बी.आर.ओ. की मुख्य विशेषताएं ::

- ऑप्शन ग्रीक्स, निहित अस्थिरता, अपेक्षित मूल्य और बहुत कुछ का व्यापक विश्लेषण
- उपलब्ध धन या अधिकतम स्वीकार्य हानि के आधार पर रणनीति फ़िल्टरिंग
- तकनीकी संकेतकों और आगामी घटना विश्लेषण का एकीकरण

2023 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि इक्विटी फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) सेगमेंट में 89३ व्यक्तिगत ट्रेडर्स को घाटा हुआ। इस गंभीर मुद्दे के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, सैमको सिक्योरिटीज ने आज अपने गेम-चेंजिंग प्लेटफॉर्म के लिए एक नया टीवीसी अभियान शुरू करने की घोषणा की, जिसका शीर्षक है ऑप्शंस बी.आर.ओ. बनाएगा आपको ऑप्शंस ट्रेडिंग में प्रो। यह अभियान निवेशकों को शिक्षित करने और सैमको की नवीनतम सुविधा, ऑप्शंस बी.आर.ओ (बिल्ड, रिसर्च, ऑप्टिमाइज़) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो खुदरा निवेशकों के लिए विकल्प ट्रेडिंग को सरल बनाता है।

ऑप्शन बी.आर.ओ. कैंपेन एक अनूठी फिल्म है जिसमें एक आदमी और एक कौआ दिखाया गया है। फिल्म में, पारंपरिक पोशाक पहने व्यक्ति, विकल्प ट्रेडिंग में पीआरओ बनने के बारे में जोर-जोर से आश्चर्य करता है। कौआ काँव काँव ध्वनियों की एक श्रृंखला के साथ प्रतिक्रिया करता है, जो व्यापारियों के बीच एक आम चिंता को दर्शाता है। फिर वह व्यक्ति उत्साहपूर्वक बताता है कि सैमको के ऑप्शंस बी.आर.ओ. के साथ, ऑप्शन ट्रेडिंग में विशेषज्ञ बनना अब उसकी पहुंच में है। जैसे ही कौआ भोजन का आनंद लेना शुरू करता है, फिल्म इस बात पर जोर देती है कि कैसे सैमको का नया प्लेटफॉर्म ऑप्शन ट्रेडिंग को एक सुलभ और सशक्त अनुभव में बदल देता है। यह अभियान टैगलाइन, आपके विकल्प ट्रेडिंग का अनदेखा सच (ऑप्शन ट्रेडिंग का अनदेखा सच) के साथ सैमको के वादे को पुष्ट करता है। ऑप्शन बी.आर.ओ. अब सैमको ट्रेडिंग ऐप पर उपलब्ध है, जो सभी स्तरों पर व्यापारियों को विकल्प ट्रेडिंग की जटिल दुनिया को अधिक सटीकता और आत्मविश्वास के साथ नेविगेट करने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करता है।

सत्ता में बने रहने के लिए युद्ध नहीं रोक रहे हैं नेतन्याहु

इजरायल (ईएमएस) । इजराइल के नागरिकों में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इजराइल के 72 फ़ीसदी नागरिक प्रधानमंत्री नेतन्याहू से इस्तीफा मांग रहे हैं। इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक का कहना है। नेतन्याहु इज़राइल की सत्ता में बने रहने के लिए हमास पर हमले जारी रखे हुए हैं। जबकि इजरायल की जनता युद्ध रोकने की मांग कर रही है। अमेरिका सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनो ने युद्ध रोकने के लिए कहा है। किंतु वह किसी की भी नहीं सुन रहे हैं। इजराइल के खिलाफ लगातार गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इजरायल की जनता कह रही है, या तो तुरंत युद्ध बंद करें,या अपना इस्तीफा दे दे। इजरायल की जनता अब यह मान रही है, कि वह अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए इजराइल में शांति नहीं लाना चाहते हैं।

अमेरिका के दुश्मन ने दिया ईरान का साथ.....इजराइल के लिए रेड सिग्नल

तेहरान (ईएमएस)। इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की आशंका के बीच तेहरान को चीन से बड़ा समर्थन मिला है। चीन ने कहा है कि वहां ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने में उसका समर्थन करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान के कार्यवाहक विदेश मंत्री को फोन करके ये बताया है। वांग यी ने 31 जुलाई को तेहरान में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या की बीजिंग की निंदा को दोहराया।

इस बीच चीन के समर्थन से सवाल उठ रहा है कि क्या उसने तेहरान को इजरायल पर हमला करने का ग्रीन सिग्नल दे दिया है। इस बीच इजरायल की खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान आने वाले दिनों में इजरायल पर हमला कर सकता है।

यह गुरुवार को बंधकों को लेकर होने वाली वार्ता से पहले भी हो सकता है। यह हाल के आकलनों में बदलाव दिखाता है, जिसमें सुझाव दिया गया था कि अंतरराष्ट्रीय दबाव ईरान को इजरायल के खिलाफ सीधे हमला करने से रोक रहा है। इजरायली खुफिया एजेंसियों के ताजा इनपुट में कहा गया है कि ईरान ने हानिया की हत्या का बदला लेने के लिए इजरायल को सीधे निशाना बनाने का फैसला किया है।

आरएसएफ के हमले में 28 नागरिक मारे गए

खार्तूम (ईएमएस)। पश्चिमी सूडान में राजधानी एल फशर पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में करीब 28 नागरिक मारे गए और 46 अन्य घायल हुए है। कार्यवाहक गवर्नर अल-हाफिज बखेत ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा, आरएसएफ मिलिशिया ने बाजारों और नागरिक ठिकानों पर गोलाबारी की नरसंहार किया। गवर्नर के अनुसार, सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) और डारफुर क्षेत्र में सशस्त्र आंदोलन के संयुक्त बल ने अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के हमले को विफल करने में कामयाबी हासिल की थी और उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया।

गवर्नर ने कहा, राजधानी एल फशर मजबूत और दृढ़ रहेगा और जल्द ही विद्रोहियों से मुक्त होगा। आरएसएफ ने हमले के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। अल फशर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच भीषण संघर्ष 10 मई से ही चल रहा है। 15 अप्रैल, 2023 से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच घातक संघर्ष चल रहा है,

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के विरोध में अमेरिका में प्रदर्शन

वाशिंगटन (ईएमएस)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही है हिंसा के विरोध में अमेरिका के ह्यूस्टर शहर में कई भारतीय और बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को रोकने का आग्रह किया और उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई करने का वक्त है।

जानकारी के मुताबिक ह्यूस्टर में रविवार को शुगर लैंड सिटी हॉल में सैकड़ों भारतीय औ बांग्लादेशी मूल के अमेरिकी अल्पसंख्यकों ने बांग्लादेश में हिंसा को रोकनेकीमांगकरतेहुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा को खत्म करने की मांग की और वह हाथों में तख्तियां लिए थे जिन पर लिखा था-हिंदू नरसंहार बंद करो, अब खड़े हो जाओ और बोलो, हिंदू जीवन मायने रखता है, और हम भागेंगे नहीं, हम छिपेंगे नहीं जैसे भावनात्मक स्लोगन लिखे हुए थे।

आयोजकों ने बाइडेन प्रशासन से बांग्लादेश में अत्याचारों को रोकने और अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करने की मांग की। हिंदू समुदायों के खिलाफ हिंसा में हालिया बढ़ोरती क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए एक तत्काल और खतरनाक खतरा बन गई है, और अब कार्रवाई करने का समय आ गया है।

विदेशी उत्पाद खरीदने में भारतीय सबसे अव्वल , 67 फीसदी भारतीयों ने खरीदा विदेशी सामान

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय ग्राहक विदेशी सामान की सबसे ज्यादा खरीदारी करते हैं। एक सर्वे के अनुसार भारत में 67 फीसदी लोगों ने विदेशी सामान खरीदते हैं, जबकि अमेरिका में यह आंकड़ा 37 फीसदी और ब्रिटेन में 27 फीसदी है। रिपोर्ट के अनुसार, 76 फीसदी भारतीय उपभोक्ता मानते हैं कि विदेशी उत्पाद देसी उत्पादों की तुलना में बेहतर हैं। 61 फीसदी से अधिक उपभोक्ता विदेशी उत्पादों की खरीदारी के लिए प्रमुख ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीधी खरीदारी के विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद, केवल 4.8 फीसदी उपभोक्ता ही सोशल मीडिया के माध्यम से खरीदारी करते हैं। सर्वे में शामिल देशों में भारत तीसरे स्थान पर है, जो ई-कॉमर्स साइट्स पर निर्भर करता है। इस सर्वे में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों के करीब 8200 उत्तरदाताओं से प्राप्त डेटा का अध्ययन किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार के मेक इन इंडिया अभियान से भारतीय ई-कॉमर्स बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसने एक ही वर्ष में निर्धारित 40 हजार करोड़ डॉलर का लक्ष्य पार कर लिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह वृद्धि मेक इन इंडिया कार्यक्रम और वैश्विक स्तर पर ग्राहकों की बढती हुई मांगों के कारण हुई है। भारत में खरीदे जाने वाले विदेशी उत्पादों में अंतरराष्ट्रीय फैशन प्रोडक्ट्स की मांग सबसे ज्यादा है। इनके बाद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों खासकर मोबाइल फोन, टैबलेट, लैपटॉप आदि की काफी मांग है। खास बात ये है कि 45 फीसदी भारतीय खरीदारों को विदेशी उत्पादों पर लगने वाले कस्टम शुल्क की जानकारी नहीं होती है।

म्युचुअल फंड कंपनी का एयूएम रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूचुअल फंड स्कीम्स में बीते महीने म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में रिकॉर्ड बढ़त देखने को मिली है। यह मासिक आधार पर 6 फीसदी बढ़कर 64.69 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है, जो कि जून में 60.89 लाख करोड़ रुपये पर था। म्यूचुअल फंड एयूएम बढ़ने से देश में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के चलन में इजाफा होना है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स (एएमएफआई) के डेटा के मुताबिक जुलाई में एसआईपी के जरिए 23,332 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो अब तक का सबसे बड़ा डेटा है। हालांकि, कुछ इक्विटी निवेश 8.61 फीसदी कम होकर 37,113.4 करोड़ रुपये पर आ गया है, जो जून में 40,608.19 करोड़ रुपये पर था। यह लगातार 41वां महीना है, जब ओपन-एंडेड इक्विटी फंड्स में निवेश पॉजिटिव रहा है। हालांकि, इस दौरान बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिली। जुलाई में सेंसेक्स ने 3.43 फीसदी और निफ्टी ने 3.92 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न दिया है। एसआईपी के जरिए निवेश लगातार बढ़ने के कारण एसआईपी एयूएम बढ़कर 13,09,385.46 करोड़ रुपये हो गया है। यह एसआईपी एयूएम का अब तक का सबसे बड़ा डेटा है। जून में यह 12,43,791.71 करोड़ रुपये पर था।

सबकी मिली भगत से होती है आतंकियों की घुसपैठः फारुख अब्दुल्ला

जम्मू(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस चीफ फारूक अब्दुल्ला के एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि आतंकियों की घुसपैठ सब।।सबकी मिली भगत होती है। उन्होंने घुसपैठ के लिए आतंकियों और सुरक्षाबलों की कथित मिलीभगत को जिम्मेदार ठहराया है। इनके इस बयान से बवाल खड़ा हो गया है। डीजीपी आरआर स्वैन ने आपत्ति जताई है। बीजेपी ने भी फारूक अब्दुल्ला पर पलटवार किया है। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने कहा कि यह बयान बेहद अपमानजनक है। वहीं बीजेपी का कहना है कि फारूक अब्दुल्ला पहले भी इस तरह के आपत

सूरत में पकड़ी गई बिना लाइसेंस कॉस्मेटिक बनाने वाली फैक्ट्री, 23.70 लाख की कीमत जब्त

सूरत ,12 अगस्त

राज्य के नागरिकों को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आवश्यक दवाएं और कॉस्मेटिक सामान मिले, इसके लिए राज्य सरकार लगातार निगरानी कर रही है, जिसके तहत सूरत के पुनागाम में बिना लाइसेंस के विभिन्न कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने वाली एक फैक्ट्री को जब्त कर लिया गया और कुल सिस्टम द्वारा संदिग्ध कॉस्मेटिक उत्पादों के 9 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और 23.70 लाख रुपये के नकली सौंदर्य प्रसाधन जब्त किए गए हैं। खाद्य एवं औषधि नियामक प्रणाली के आयुक्त डॉ. एच। जी। कोशिया ने कहा

उन्होंने कहा कि प्रदेश में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री के नमूनों का परीक्षण एवं मिलावट करने वाले तत्वों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा अवैध-नकली औषधि एवं प्रसाधन सामग्री की बिक्री में शामिल व्यक्तियों के विरूद्ध भी सख्त कार्रवाई की जा रही है। दारजी, उपायुक्त (चा.शा.) एवं गुजरात राज्य के फ्लाइंग कोड के अधिकारी डॉ. पी। बी। प्रधान कार्यालय, गांधीनगर से पटेल और सूरत के सहायक आयुक्त प्रकाश प्रिसनानी, सूरत, भरूच और वलसाड प्रणाली के अन्य अधिकारियों के साथ अवैध पुगर परवा बनाने वाली कॉस्मेटिक फैक्ट्री पर छापा मारा।

जिसमें (1) स्मिट इंटरप्राइजेज, जी-2, अंडरग्राउंड, अटलांटा मॉल, सुदामा चौक, मोटा वराछा, सूरत द्वारा बिना अनुमति के किसी अन्य कंपनी का नाम, पता और लाइसेंस नंबर का उपयोग करने पर स्मिट इंटरप्राइजेज के मालिक रुभाई हिम्मत विट्ठलभाई वडालिया को गिरफ्तार किया गया। . 4.30 लाख का माल जब्त किया गया है और 4 नमूने सत्यापन के लिए भेजे गए हैं.

इसके अलावा, टीम को आज सीके कॉर्पोरेशन, पुनागाम में विभिन्न ब्रांड लेबल वाले कॉस्मेटिक उत्पाद बड़ी मात्रा में मिले। जिसमें उन्होंने उनकी जानकारी के बिना सौंदर्य प्रसाधन बनाने के लिए वडोदरा के प्रीशील लेबोरेटरी का नाम, पता और लाइसेंस नंबर का इस्तेमाल किया और अपने नाम से निर्माण किया और अमेज़ॅन, फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सौंदर्य प्रसाधन बेच रहे थे और निकुलभाई भीमजी भाई रूखी को लगभग 20 रुपये में पकड़ा। लाखों रुपये की राशि जब्त कर ली गई है और 5 नमूने सत्यापन के लिए भेजे गए हैं।

उन्होंने कहा कि सिस्टम की जांच के दौरान अधिकारियों ने निर्धारित प्रपत्र के तहत 9 नमूने लिए हैं और उन्हें विश्लेषण के लिए खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला, वडोदरा भेजा है. साथ ही डॉ. कोशिया ने कहा है कि इस फैक्ट्री की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि इन्होंने बिना किसी लाइसेंस के अवैध रूप से घटिया कॉस्मेटिक उत्पादों का निर्माण और बिक्री कर जनता के स्वास्थ्य और जीवन को खतरे में डालने का बेहद गंभीर कार्य किया है. इस संबंध में आगे की जांच की गई है। नकली दवा निर्माताओं और अवैध दवा एजेंसियों पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों द्वारा हाल ही में की गई छापेमारी से लोगों के स्वास्थ्य से समझौता करने वाली आपराधिक गतिवि धियों में शामिल लोगों की बाढ़ आ गई है।

अजवा झील का स्तर 211.60 फीटः शाम को चार दिन से भारी बारिश

वडोदरा 12 अगस्त

वड़ोदरा शहर में पिछले एक सप्ताह से दिन के दौरान मध्यम बूंदाबांदी हो रही है। जब चार दिनों तक शाम को एक या दो घंटे तक एक या दो इंच तक भारी बारिश होती है। जबकि एक सप्ताह से लगातार मध्यम बूंदाबांदी हो रही है। वडोदरा शहर में सीजन की कुल बारिश का 77 फीसदी बारिश हो चुकी है. जबकि जिले में 63.42 फीसदी रिकार्ड किया गया है. आज का लेवल 211.60 फीट है. वहीं विश्वामित्री नदी 16 फीट पर बह रही है.

हालांकि नगर निगम की ओर से 15 अगस्त तक झील का स्तर 212 फीट तक रखने का निर्णय लिया गया है. इस प्रकार, वर्तमान स्तर केवल 0.40 फीट कम होने के कारण, शहर के पूर्वी क्षेत्र में लोगों को पूरे साल पीने के पानी की कमी नहीं होगी।

वडोदरा में सिकलिकर गिरोह के दो सदस्य अपनी बाइक से गिर गए क्योंकि निवासियों द्वारा उनका पीछा किया जा रहा था

वडोदरा ,12 अगस्त

वड़ोदरा अपराधः यह पता चला है कि सिकलीकर गिरोह के सागरित का वडोदरा शहर के पास अमपाद-भीमपुरा नहर रोड पर स्थानीय लोगों ने पीछा किया था। हाल ही में बाइक पर रेकी करते सिकलिकर गैंग के सागरित का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था. इसके बाद स्थानीय लोग चोरी रोकने के लिए खुद ही सतर्क रहने लगे और सावधानी बरतने लगे. आख़िरकार मलास्क का पीछा ग्रामीणों ने एक कार में किया जो संदिग्ध रूप से एक बाइक सवार की तरह लग रही थी। इसी दौरान बाइक फिसलने से तस्कर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तस्कर को पुलिस के हवाले कर दिया. बाद में पता चला कि उन्हें इलाज के लिए गोत्री अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

वडोदरा शहर जिला तस्करों से भारी परेशान है। लाखों लोगों ने सीसीटीवी के माध्यम से कई क्षेत्रों में तस्करों द्वारा लूटपाट, जबरन वसूली और चोरी के असफल प्रयासों की घटनाओं को देखा है। पुलिस की रात्रि गश्त के दावों के बावजूद तस्करी के मामले नहीं रुक रहे हैं. घटना यह सामने आयी है कि अमड़ापाड़-भीमपुरा नहर पर चोरी करने आये सिकलिकर गिरोह को लोगों ने खदेड़ कर पकड़ लिया. हाल ही में भीमपुरा गांव में तस्करों के गोरखधंधे की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था. उसके बाद, स्थानीय लोगों ने चोरी रोकने के लिए सतर्क रहना और ध्यान रखना शुरू कर दिया। कल रात भीमपुरा गांव के पास सिकलीकर गिरोह को सिगार चुराने की फिराक में देखा गया। इसका एहसास होते ही स्थानीय लोगों ने कार से उसका पीछा किया. जिससे सड़क पर किसी फिल्मी रेस जैसा हृदय विदारक दृश्य उत्पन्न हो गया।

कुछ दूर तक दिल दहला देने वाली रेस चली, बाद में बाइक फिसल गई और सिकलीकर गिरोह की बाइकें टकरा गईं। मालूम हो कि स्थानीय लोगों ने दोनों को पकड़कर भायली पुलिस के हवाले कर दिया है. सूत्रों के मुताबिक, बाद में घायल को इलाज के लिए गोत्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। अगर स्थानीय लोग घटना पर नजर रखने के साथ पुलिस गश्ती के साथ सतर्क रहें तो चोरों को अपने मंसूबों को पूरा करने से रोका जा सकता है।

मुख्यमंत्री नडियाद में स्वतंत्रता दिवस-2024 राज्य स्तरीय समारोह ध्वज वंदन करेंगे

विधानसभा अध्यक्ष, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में करेंगे ध्वजारोहण

अहमदाबाद (ईएमएस) स्वतंत्रता दिवस-2024का राज्यस्तरीय समारोह खेड़ा जिले के मुख्यालय नडियाद में आयोजित होगा।15अगस्त को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में नडियाद में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा। गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी बनासकांठा में जबकि राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में ध्वजारोहण करेंगे। कैबिनेट मंत्रियों में कनुभाई देसाई सूरत में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। ऋषिकेशभाई पटेल मेहसाणा,राघवजी पटेल जूनागढ़,बलवंतसिंह राजपूत कच्छ,कुंवरजी बावलिया अमरेली,मुलुभाई बेरा बोटाद,डॉ. कुबेरभाई डिंडोर साबरकांठा और श्रीमती भानुबेन बाबरिया गिर सोमनाथ जिला मुख्यालय में तिरंगा फहराएंगे। विधानसभा के उपाध्यक्ष जेठाभाई आहिर (भरवाड़) पंचमहाल जिला मुख्यालय में तिरंगा फहराएंगे। वहीं,राज्य मंत्रियों में हर्ष संघवी वडोदरा में ध्वजारोहण करेंगे। जबकि,जगदीश विश्वकर्मा वलसाड,परषोत्तमभाई सोलंकी भावनगर,बचुभाई खाबड़ दाहोद,मुकेशभाई पटेल तापी,प्रफुलभाई पानशेरिया डांग,भीखूसिंह जी परमार देवभूमि द्वारका,कुंवरजीभाई हळपति नवसारी जिला मुख्यालय में ध्वजारोहण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार आणंद, पोरबंदर, छोटा उदेपुर, अरवल्ली, पाटण, राजकोट, जामनगर, अहमदाबाद ,सुरेन्द्र नगर ,मोरबी,महीसागर,गांधीनगर,नर्मदा और भरूच जिला मुख्यालयों में संबंधित जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा।

15 अगस्त को वडोदरा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में की गई चेकिंगः रिवॉल्वर जब्त

वडोदरा 12 अगस्त

15 अगस्त को रेलवे पुलिस, एसओजी, बीडीएस और यूआरटी की टीम द्वारा वडोदरा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में चेकिंग की गई. एक व्यक्ति के पास से 12 बोर मिले तो विवाद हो गया। लेकिन वह आदमी, जो एक सुरक्षा गार्ड है, के पास बंदूक का लाइसेंस होने की जानकारी है। इसलिए पुलिस पूछताछ कर रही है कि यह शख्स कहां का है और कहां काम करता है।

15 अगस्त का दिन वडोदरा शहर में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे पुलिस, एसओजी, बीडीएस और पीआरटी की एक टीम संयुक्त रूप से सयाजीगंज क्षेत्र में रेलवे स्टेशन की जांच कर रही है। इसी दौरान पुलिस को रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति के बैग की जांच करने पर संदेह हुआ कि वह बैग लेकर खड़ा है। तभी बैग में बारह बोर की बंदूक मिली तो पुलिस भी अलर्ट हो गई। तो उस शख्स से पूछताछ के दौरान पता चला कि वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था. पुलिस यह जानकर हैरान रह गई कि उसके पास बंदूक का लाइसेंस भी था। इसलिए पुलिस पूछताछ कर रही है कि सुरक्षा गार्ड कहां के हैं और कहां काम करते हैं।

वलसाड के उदवाड़ा में 11 किलो 800 ग्राम चरस मिलीः पैकेट पर उर्दू में लिखा हुआ

वलसाड,12 अगस्त

वलसाड जिले के उदवाड़ा गांव में समुद्र तट से अवैध सामान के 11 किलो 800 ग्राम चरस के पैकेट मिले हैं. चरस के इस पैकेट के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है

चरस के पैकेट की सूचना मिलने के बाद वलसाड जिले ने तलाशी अभियान चलाया है. वलसाड जिला एसओजी और पारडी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की. पुलिस की ओर से जिले के सभी तटों पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है. उदवाड़ा गांव के समुद्र तट पर लावारिस हालत में मिले चरस के पैकेट के मामले में पुलिस ने जांच की है. चरस के पैकेट पर उर्दू भाषा में नशीले पदार्थ के बारे में लिखा हुआ था।

गुजरात के तटीय इलाकों में नशीले पदार्थ मिलने का सिलसिला अब भी जारी है. इससे पहले सोमनाथ समुद्र तट, कच्छना क्रीक क्षेत्र, द्वारका जिला तट से बड़ी मात्रा में शराब की जब्ती के बाद गश्त बढ़ा दी गई है। गश्ती के दौरान ही मीठापुर इलाके के मोजाप मोजाप गांव के समुद्र किनारे से 21 पैकेट मादक पदार्थ चरस बरामद किया गया, जिसमें 23,680 किलोग्राम चरस थी.

जिसकी बाजार कीमत 11 करोड़ 84 लाख रुपये है. पुलिस ने मामले को जब्त कर जांच की. अब चसवार में इस बात की आशंका प्रबल हो गयी है कि गुजरात द्वारिका स्थित दवा विक्रेता धर्मस्थल को बदनाम करने की योजना बनायी जा रही है.

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि साधु-संतों और तीर्थयात्रियों को नशीला पदार्थ खिलाकर यहां से बैंड-बाजे का इस्तेमाल वाहक के रूप में करने की बड़ी साजिश है। कहा जा रहा है कि जन्माष्टमी त्योहार आते ही द्वारका पंथक में नशे के सौदागरों के भी सक्रिय होने की आशंका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि द्वारका, कच्छ और सोमनाथ सहित समुद्र तट से जितनी भी मात्रा बहकर आई है, वह अनारक्षित पाई गई है। तो सवाल ये है कि आखिर माफिया करोड़ों रुपये की ड्रग्स समुद्र में क्यों फेंक सकते हैं?

भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त सुश्री लिंडी कैमरून ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से की शिष्टाचार भेंट

गांधीनगर ,12 अगस्त

प्रधानमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधी नगर में भारत स्थित ब्रिटिश उच्च ायुक्त सुश्री लिंडी कैमरून से शिष्टा चार भेंट की। भारत में ब्रिटिश उच्चा युक्त का पद संभालने के बाद उनकी पहली गुजरात यात्रा पर मुख्यमंत्री ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने उनसे बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के बीच आपसी संबंधों का पुल मजबूत हो रहा है और गुजरात भी अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है. इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सबको साथ लेकर चलने की नीति से सबका साथ-सबका विकास के मंत्र को साकार किया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ब्रिटिश उच्चायुक्तसे कहा कि गुजरात नवीकर णीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी राज्य है, न केवल दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड ऊर्जा पार्क कच्छ में निर्माणा धीन है, बल्कि उभरते क्षेत्रों में भी गुजरात की वैश्विक उपस्थिति है। हरित हाइड्रोजन.

इस संदर्भ में सुश्री लिंडी कैमरून ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ब्रिटेन के साथ आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री को ब्रिटेन में भारतीय प्रवासी और गुजराती समुदाय की संख्या और वहां के व्यापार जगत में उनके महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी दी।

ब्रिटिश उच्चायुक्त ने गुजरात के औद्योगिक निवेशकों के ब्रिटेन में निवेश के लिए आने पर उनका स्वागत करने और समर्थन करने की उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने गुजरात में संचालित ब्रिटिश उद्यमों को राज्य सरकार के सहयोग के लिए मुख्यमंत्री और राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ब्रिटिश उद्योगों को राज्य में उद्योग स्थापित करने सहित आवश्यक सुविधाओं के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री से बातचीत में ब्रिटिश उच्चायुक्त ने साइबर सुरक्षा में ब्रिटेन की विशेषज्ञता का लाभ गुजरात को दिया और इस संबंध में एनएफ एसयू के साथ सहयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी.

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अगले ओलंपिक-2036 की मेजबानी के लिए गुजरात की प्रारंभिक तैयारियों का विवरण देते हुए यह भावना व्यक्त की कि ऐसी योजना में ब्रिटेन की विशेषज्ञता से गुजरात को लाभ होगा। उन्होंने इस दिशा में परामर्श किया कि खेलों के समापन के बाद ओलंपिक के लिए बुनियादी ढांचे को लोगों के लिए दीर्घकालिक कैसे बनाया जा सकता है। उन्होंने इस संदर्भ में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के साथ किए गए सहयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

पाटन से कोंगी विधायक की मांग मंजूर

उत्तर गुजरात को नर्मदा जल देने का मुख्यमंत्री का निर्णय

गांधीनगर ,12 अगस्त

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने उत्तर गुजरात के किसानों और नागरिकों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नर्मदा बांध के अपस्ट्रीम में व्यापक बारिश के परिणामस्वरूप सरदार सरोवर बांध में जल स्तर बढ़ गया है। उत्तरी गुजरात की झीलों तक पहुंचाया गया। उत्तर गुजरात के पाटन विधायक डॉ. किरीट पटेल ने आज राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नर्मदा का पानी उपलब्ध कराने की मांग की है.

राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के निर्देशन में उत्तरी गुजरात के बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा और साबरकांठा जिलों की कुल 952 झीलों में 13 विभिन्न पाइपलाइनों के माध्यम से नर्मदा जल की आपूर्ति करने की अग्रिम योजना बनाई है। फिलहाल इन पाइप लाइनों के जरिए इन झीलों तक 1 हजार क्यूसेक पानी पहुंचाना शुरू कर दिया गया है, जिसे अगले कुछ दिनों में धीरे-धीरे बढ़ाकर 2400 क्यूसेक पानी किया जाएगा.

मध्य प्रदेश के जलाशयों से पानी की भारी आवक के कारण मानसून सीजन में पहली बार सरदार सरोवर बांध का जल स्तर 135.26 मीटर तक बढ़ गया है. ऊपरी धारा से आ रहे 3,09,769 क्यूसेक पानी से सरदार सरोवर बांध 90 प्रतिशत भर गया है। राज्य के कुल 207 जलाशयों में से 49 जलाशय पूरी तरह भरे हुए हैं। सौराष्ट्र के 35, कच्छ के छह जलाशय ओवरफ्लो हो गए हैं। दक्षिण गुजरात में सात और मध्य गुजरात में एक बांध हाउसफुल है। अपस्ट्रीम से पानी प्राप्त करने वाले राज्य के 89 जलाशय हाई अलर्ट पर हैं। 90 फीसदी से ज्यादा भरे 62 जलाशयों को हाई अलर्ट पर रखा गया है.

डभोई तालुक के चंदोद, करनाली और नंदेरिया, करजन तालुक के अंबाली, बरकल, देवार, मालसर, दरियापुरा, मोलेथा, झांजड, कंजेथा, शिनोर, मांडवा, सुरशमल और पुरा, आलमपुरा, राजली, लिलाईपुरा, नानी कोरल, बिगी कोरल, जूना सर , सागरोल, ओज, सोमज, देलवाड़ा, अरजपुरा गांव शामिल हैं।

नर्मदा बांध से पानी छोड़े जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा इन तीन तालुकाओं के उक्त 25 गांवों के नागरिकों से नदी तल पर न जाने की अपील की गई है. उन्होंने कहा कि सरदार सरोवर बांध के निचले इलाकों में किसी भी दुर्घटना या हताहत से बचने के लिए सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। जिला आपदा प्रबंधन बोर्ड द्वारा बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है. आपदा के समय 1077 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

वडोदरा के मांजलपुर इलाके से भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर जब्त की गई

वडोदरा,12 अगस्त

वडोदरा के मांजलपुर इलाके में पुलिस को देखकर ड्राइवर एक्टिवा समेत विदेशी शराब और बीयर मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस को मौके पर 14 हजार की विदेशी शराब, बीयर और एक्टिवा मिली और 44 हजार रुपये नकद जब्त कर चालक को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी।

वह वडोदरा के मांजलपुर इलाके में अमरनाथपुरम सोसायटी के पास स्ट्रीट लाइट के खंभे के नीचे खड़ा होकर शराब बेच रहा था। इसी बीच कल रात पुलिस की एक टीम गश्त के दौरान मौके पर पहुंची. जब चालक ने पुलिस को देखा तो वह वाहन छोड़कर भाग गया। पुलिस टीम एक्टिवा पहुंची तो एक बैग में विदेशी शराब और बीयर मिली. तो पुलिस ने 14 हजार की विदेशी शराब, बीयर और 44 हजार रुपये का चोरी का सामान जब्त कर लिया. एक्टिवा के नंबर के आधार पर पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

वडोदरा के मंजूसर और आसपास के गांवों में बिना बिल के 18.91 लाख के मोबाइल जब्त किए गए

वडोदरा,12 अगस्त

वडोदरा के सावली तालुक के मंजूसर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर मंजूसर पुलिस ने विभिन्न दुकानों से बिना बिल के 18,91,287 रुपये के 139 मोबाइल जब्त किए हैं और कार्रवाई कर रही है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंजूसर पंथक में मोबाइल की दुकानों पर बिना बिल के महंगे मोबाइल फोन की बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने दस टीमें गठित कर मांजूसर व आसपास के गांवों में मोबाइल की दुकानों पर छापेमारी कर 139 लाख रुपये कीमत के मोबाइल फोन जब्त किये. 18,91,287 बिना बिल के। पुलिस ने 8 दुकानदारों को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल पुलिस ने धारा 41/1ॅ और नई धारा ँएए 35 (1)(T) और 106 के तहत कार्रवाई की है.

आइए पीएम मोदी के सपने को साकार करेंः मनसुख मंडाविया ने गुजरात में युवाओं से की अपील

अहमदाबाद ,12 अगस्त

विश्व युवा दिवस पर केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में अहमदाबाद में 'इम्पैक्ट विद यूथ' कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं को विकसित भारत का वाहक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आप सभी को लक्ष्य कर 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा है. इसलिए देश को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की विशेष जिम्मेदारी है।

युवाओं की सफलता को देश की सफलता बताते हुए मंत्री ने आगे कहा कि हमारा देश लगभग 60 करोड़ की युवा संपत्ति के साथ सबसे युवा देश है। युवा जहां हैं वहीं से देश की प्रगति में शामिल हों, देश की प्रगति में अपना योगदान दें। उन्होंने प्रौद्योगिकी के सदुपयोग पर जोर देते हुए युवाओं से 'मेरा भारत पोर्टल' का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी अपील की.

उन्होंने युवाओं को पर्यावरण को प्राथमिकता देते हुए खेल और साइकिलिंग को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया और युवाओं से प्रदूषण कम करने के लिए सक्रिय प्रयास करने को कहा। इसके अलावा, करियर विकास में कौशल विकास एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है, उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिए हाल के केंद्रीय बजट में इंटर्नशिप जैसी योजनाएं प्रदान की गई हैं। जिसके जरिए सरकार करीब एक करोड़ युवाओं को प्रीमियम कंपनियों में इंटर्नशिप कराकर कुशल युवा तैयार करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, फिलहाल भारत सरकार का पूरा ध्यान युवाओं पर समय और ऊर्जा लगाने पर है जो देश का भविष्य हैं।

युवाप्रतीक निष्ठा पांचाल, निकिता पाल, आश्रय जोशी, आर्य चावड़ा, मीरा एरडा और मनदीप गोहिल को मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर मंत्री ने युवाओं से सहज संवाद किया. भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सुश्री सिंथिया मैकक्रैफ़े ने कहा कि भारतीय स्कूलों में बच्चों की लैंगिक समानता दर बहुत अच्छी है। आपऐसे देश के नागरिक हैं जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। भारत सरकार और यूनिसेफ संयुक्त रूप से उन युवाओं पर निवेश कर रहे हैं जो भारत का भविष्य हैं। इस मौके परयूनिसेफकेगुजरातचीफऑफ फील्ड ऑफिस प्रशांत दास और राज्य के कई जिलों से आए युवा मौजूद थे.

1.80 लाख की रिश्वत लेते धरा गया प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी

राजकोट (ईएमएस) शहर के टीआरपी गेम जोन अग्निकांड के बाद भी राजकोट महानगर पालिका (आरएमसी) के अधिकारी भ्रष्टाचार से बाज नहीं आ रहे हैं चौंकानेवाली बात यह है कि तबादले के 45वें दिन आरएमसी का इंचार्ज चीफ फायर ऑफिसर रु. 180000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ धर लिया गया

मेडिकल टूरिज्म और सीआरएम सॉफ्टवेयर के साथ

हेल्थकेयर - ब्रोच लाइफकेयर हॉस्पिटल लिमिटेड 13 अगस्त को एसएमई आईपीओ की योजना बना रहा है

गुजरात - भरूच स्थित ब्रोच लाइफकेयर हॉस्पिटल लिमिटेड चिकित्सा पर्यटन और डेटा संग्रह के लिए कैथ लैब उपकरण और सीआरएम सॉफ्टवेयर के साथ व्यापार विस्तार के लिए हृदय उपचार में विशेषज्ञता के साथ स्वास्थ्य सेवा में लगा हुआ है। हमारे प्रवर्तक - डॉ. जयकुमार व्यास एवं डॉ. शची व्यास के पास स्वास्थ्य सेवा उद्योग में लगभग 10 वर्षों का अनुभव है। कंपनी ठमेपल हॉस्पिटल्सठ ब्रांड के तहत भरूच और अंकलेश्वर में बुटीक अस्पताल संचालित करती है और कार्डियोलॉजी सेवाओं सहित हृदय रोगों के रोगियों को चौबीसों घंटे समर्पित सेवाएं प्रदान करती है। भरूच और अंकलेश्वर का अस्पताल मरीजों के इलाज के लिए एक अत्याधुनिक 40 बिस्तरों वाला अस्पताल है और यह इकोकार्डियोग्राफी, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी, ट्रेडमिल टेस्ट, होल्टर मॉनिटरिंग, एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर माप, तनाव परीक्षण वगैरह जैसे परीक्षण करने के लिए नैदानिक उपकरणों से भी सुसज्जित है। डोबुटामाइन स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी और जीवन रक्षक उपकरण जैसे इंट्रा-एओर्टिक बैलून पंप मशीन, बाइफैसिक डिफाइब्रिलेटर, वेंटिलेटर, बाइपैप मशीन, सिरिंज पंप, वॉल्यूमेट्रिक इन्फ्यूजन पंप और मल्टीपारा

मॉनिटरिंग मशीन के साथ उन्नत कोरोनरी देखभाल करी जाती है। अस्पताल रणनीतिक रूप से भरूच और अंकलेश्वर के औद्योगिक क्षेत्र के पास स्थित है, जो हमें अपने कर्मचारियों के इलाज और नियमित चिकित्सा जांच करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी कंपनियों के साथ जुड़ने, जुड़ने और पैनल बनाने का लाभ देता है।

अस्पताल चार पीएसयू बीमा कंपनियों, 15 निजी बीमा कंपनियों और 8 तृतीय पक्ष प्रशासकों (टीपीए) के साथ सूचीबद्ध हैं। इसके अलावा, हमने भारत सरकार की प्रमुख योजना यानी आयुष्मान भारत योजना, जिसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के नाम से जाना जाता है, के तहत अपने अस्पतालों की रैंकिंग के लिए भी आवेदन किया है। व्यवसाय विस्तार के हिस्से के रूप में कैथ ने चिकित्सा उपचार और अंतर्निहित बीमारी के लिए ऑनलाइन परामर्श के लिए प्रयोगशाला उपकरण जोड़ने और वेब-आधारित सॉफ़्टवेयर डिज़ाइन करने का प्रस्ताव रखा है। अंतर्निहित बीमारी के लिए चिकित्सा उपचार और ऑनलाइन परामर्श के लिए वेब-आधारित सॉफ़्टवेयर डिज़ाइन करने की भी योजना है।

वित्त वर्ष 2024 के लिए व्यवसाय से आय रु. 260.58 लाख और एबिटा रु. 102.61 लाख दर्ज किया गया है. कर पश्चात लाभ रु. 69.76 लाख. ईपीएस रु. 1.92 और बुक वैल्यू रु. 12.26 प्रति शेयर. रुपये के निर्गम मूल्य पर विचार करते हुए। 25 प्रति शेयर तय है. गुणज 13.02 गुना होगा. एबिटा रु. 102.61 लाख रुपये के आईपीओ आकार 402 लाख का किया गया है. कंपनी का सार्वजनिक निर्गम 16,08,000 इक्विटी शेयरों का है और अंकित मूल्य रुपये है। प्रति शेयर रू. 10के नकद मूल्य से रु. 25 होगा. (प्रति शेयर 15 रुपये का प्रीमियम है) कंपनी द्वारा रुपये 402 लाख जुटाए जाएंगे। यह इश्यू इश्यू के बाद हमारी कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 26.50ॅ बनता है। शेयर बीएसई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 13 अगस्त 2024 को खुलेगा और 16 अगस्त 2024 को बंद होगा। वेबसाइटः **www .map le hospital.in**

वडोदरा के रिहायशी इलाकों में मगरमच्छों का ठिकाना, चार जगहों पर मगरमच्छों से डरे हुए हैं लोग

वडोदरा,12 अगस्त

वड़ोदरा में मानसून के दौरान कई जगहों पर मगरमच्छ रिहायशी इलाकों में लुका-छिपी खेलते नजर आ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में अलग-अलग इलाकों में चार मगरमच्छ दिख ने से लोग डर गए। इनमें से तीन मगरमच्छों को बचा लिया गया है.

कारेलीबाग इलाके की वर्धमान सोसायटी में उस समय भगदड़ मच गई जब एक विशालकाय मगरमच्छ आ धमका। मगरमच्छ सोसायटी की मुख्य सड़क और खड़ी गाड़ियों के आस पास घूमता रहा, जिससे लोग अपने घरों में कैद हो गए। जीव दया कार्यकर्ताओं ने मगरमच्छ को बचाया। इसी तरह, वाघोडिया रोड के खटाम्बा गांव के पास अक्षर विहार सोसायटी में एक पांच फुट का मगरमच्छ आ गया और उसे जीवदया कार्यकर्ताओं की मदद के बिना बचाया गया और वन विभाग को सौंप दिया गया।

वडोदरा के पास भायली इलाके में भी आज सुबह एक मगरमच्छ को रेस्क्यू किया गया. तो वहीं नवनाथ महादेव में शामिल वडसर के पास कोटेश्वर महादेव के पास भी आज बीते सोमवार को एक मगरमच्छ दिखने से भक्तों में हड़कंप मच गया. तीर्थयात्रियों की मांग है कि इस स्थान पर निगम द्वारा अच्छी सड़क या पुल का निर्माण कराया जाये.

सरदार सरोवर डैम के नौ गेट खुले

बड़ोदरा (ईएमएस)। मध्य प्रदेश में जोरदार बारिश के बाद सभी बांध लबालब हो चुके हैं। बरगी बांध से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। ओंकारेश्वर से भी पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण सरदार सरोवर का बांध पूरी तरह से भर गया है। रविवार को सरदार सरोवर बांध के 9 गेट खोल दिए गए हैं। बड़ोदरा भरूच और आसपास के इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

ऑटोमेशन एक्सपो 2024: ऑटोमेशन पर दक्षिणी एशिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी जो एआई और रोबोटिक्स में करेगी नवाचारों का प्रदर्शन

ऑटोमेशन उद्योग के लिए भारत की सबसे बड़ी प्रदर्शनी ऑटोमेशन एक्सपो ने अपने 17 वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन का अनावरण किया। इस प्रदर्शनी का आयोजन 21-24 अगस्त के बीच बॉम्बे एक्ज़ीबिशन सेंटर, नेस्को, मुंबई में किया जाएगा। प्रदर्शनी एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो भारत के ऑटोमेशन उद्योग में हो रहे तीव्र विकास एवं इनोवेशन्स पर रोशनी डालेगी।

ऑटोमेशन एक्सपो 2024 आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स एवं रोबोटिक्स के द्वारा प्रोसेस एवं फैक्टरी ऑटोमेशन पर पड़नेवाले बदलावकारी प्रभावों पर रोशनी डालेगी। अपनी लागत प्रभाविता एवं प्रोग्रामिंग की क्षमता के चलते पारम्परिक रोबोट्स लम्बे समय से लोकप्रिय बने हुए हैं। हालांकि अब प्रोडक्शन डेटा के साथ एआई को शामिल करने से ऑटोमेशन नएस्तर तक पहुंच गया है, जिसके चलते रखरखाव के बेहतर होने, सामग्री की बर्बादी कम होने और मांग बढ़ने की उम्मीद है। इस साल की प्रदर्शनी एमएसएमई सेक्टर के आगंतुकों को स्टार्ट-अप्स एवं उ